Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 06 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 81 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जितना तुम्हारा सच है, उतना ही कहो।

-अज्ञेय

Sara Ali Khan Visits...

नौकरशाही

ब्रजेश मिश्र

केंद्रीय एजेंसियों की दोबारा सक्रियता राज्य की नौकरशाही के एक बड़े वर्ग को फिर बेचैन कर रही है। कहा जा रहा है कि जांच का दायरा जैसे-जैसे बढ़ेगा, वैसे-वैसे कई और मछलियां जाल में फंसने वाली हैं। क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें 'द फोटोन न्यूज' के एवजीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

'अरुण' यह मधुमय देश हमारा

अरुण यह मधुमय देश हमारा, जहां पहुंच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा...। बरामदे में पांव रखते ही जयशंकर प्रसाद की ये पंक्तियां कानों में पड़ीं। कुछ कदम अंदर की ओर बढ़े तो देखा गुरु अपने पुस्तकालय में बैठे हैं। हाथ में किताब लिए कविता पाठ कर रहे हैं। सामने चाय की प्याली पड़ी है। उपस्थिति का अहसास कराने के लिए ध्यान भंग करना मजबूरी थी। लिहाजा बात अभिवादन के साथ शुरू की। गुरुवर प्रणाम! कहां इतनी सुबह-सुबह अध्ययन कार्य में रत हो गए। गुरु को हस्तक्षेप का यह तरीका शायद पसंद आया। बोले- अरे प्रणाम। आओ, आओ। तुम्हारी रुचि की पटकथा है। आराम से बताते हैं। मिजाज देखकर लगा गुरु कुछ बेहद मनोरंजक सुनाने वाले हैं। सामने पड़ी कुर्सी खींच कर बैठ गया। गुरु बोले- आज सुबह-सुबह एक फोन आया। फोन करने वाला व्यक्ति यह जानना चाहता था कि छापा कहां-कहां पड़ा? तुम्हें तो पता ही होगा? गुरु की अंतिम पंक्ति उत्तर की अपेक्षा कर रही थी। इसलिए जवाब देना जरूरी था। हां- गुरु

सुना तो है। एजेंसी वनांचल की सेहत जांच में जुट गई है। गुरु बोले- हां! बिल्कुल सही पकड़े हो। बताने वाले दावा करते हैं कि सबसे बड़ा खेला सेहत सुधार के नाम पर ही हुआ है। इस पूरे खेल में कैप्टन और वाइस कैप्टन के अलावा लाल फीताशाही वाले कई सूरमाओं ने हाथ साफ किए हैं। लाख कोशिशों के बाद इनके हाथों पर खून के छींटे कुछ न कुछ बच ही गए हैं। अब जबकि जांच के नाम पर पुरानी फाइल खंगाली जा रही हैं। ऐसे में कई लोगों के दिल बैठे जा रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम सुनकर कवि हृदय बेचैन हो गया। अचानक 'प्रसाद' याद आ गए। कविता की पंक्तियां बरबस गुनगुनाने लगा। इस लिए किताब लेकर बैठ गया। वाक्य पूरा होने के साथ गुरु अपनी तरफ से स्थिति स्पष्ट कर चुके थे। दूसरी तरफ श्रोता के तौर पर मस्तिष्क में कहानी और कविता का परस्पर संबंध स्थापित नहीं कर पा रहा था। जिज्ञासु स्वभाव ने फिर प्रश्न पूछने पर मजबूर कर दिया। गुरु कुछ समझा नहीं? सवाल सुनकर गुरु थोड़े हतप्रभ हो गए। बोले- अरे यार! इतने लंबे समय से कौन सी पत्रकारिता कर रहे हो? यह मधुमय देश भी अरुण का ही था। यहां भी कई अनजान क्षितिजों ने सहारा लिया। जबसे छापेमारी की सूचना फिजां में फैली है, 'अरुण' से लेकर क्षितिज तक बेचैन हो गए हैं। पता नहीं कब किस खिड़की से कौन सी किरण अंदर आ जाए और कौन से छिपे रहस्य खोलकर रख दे? एक तरफ धन्ना के पास अन्ना बदलने का विकल्प है। दूसरी तरफ सेवानिवृत्ति लाभ गन्ना होने का डर सता रहा है। बात पूरी कर गुरु कुर्सी से खड़े हो गए। लिहाजा आधी-अधूरी समझ लेकर रुखसत होने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। दिमाग में बस गुरु की बात घूम रही थी धन्ना, अन्ना, 'अरुण?'...।

मंईयां सम्मान योजना के कई फॉर्म गुम, अनेक जगह गलत डाटा की हुई एंट्री, लाभुक परेशान

अधिकारियों के अनुसार, सॉफ्टवेयर की धीमी गति के कारण काम में आ रही बाधा

अंचल कार्यालय के चक्कर काट रहीं महिलाएं, नहीं हो रहा समाधान

PHOTON NEWS RANCHI :

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मंइयां योजना में कई गड़बड़ियों की शिकायत मिल रही है। सदर अंचल में फॉर्म भरने और सत्यापन की प्रक्रिया में अव्यवस्था और तकनीकी खामियां लाभुकों को परेशान कर रहे हैं। अब तक लगभग 10 से 12 हजार फॉर्म आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अंचल कार्यालय में जमा किए हैं। लेकिन, कई लाभार्थियों के फॉर्म गुम हो गए हैं या नहीं मिल रहे हैं। कुछ लाभुकों के फॉर्म में गलत वॉर्ड चढ़ा दिया गया है। इसकी वजह से लाभुक आंगनबाड़ी और अंचल कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। लेकिन, उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

अपलोडिंग व सत्यापन में तकनीकी दिक्कतें

अंचल कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों के मुताबिक, मंईयां योजना की सबसे बड़ी समस्या सॉफ्टवेयर की धीमी गति है। सदर अंचलाधिकारी ने खुद स्वीकार किया है कि फॉर्म अपलोडिंग और सत्यापन में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। इस संबंध में विभाग को सूचित कर दिया गया है। आंगनबाड़ी सेविकाओं के अनुसार, सिर्फ तकनीकी दिक्कतें नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही भी परेशानी का कारण बन रही है। सेविकाओं ने बताया कि कई लाभार्थियों के फॉर्म गुम हो गए हैं या मिल ही नहीं रहे हैं।

लगभग 10 से 12 हजार फॉर्म आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अंचल कार्यालय में किए हैं जमा

रांची की 4.31 लाख महिलाओं को मिली 7500 रुपये की सम्मान राशि

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना के अंतर्गत रांची जिले की 4 लाख 31 हजार 393 महिलाओं को पहली तिमाही (जनवरी, फरवरी और मार्च) की एकमुश्त ₹7500 की सम्मान राशि प्रदान की गई है। यह राशि सीधे लाभुकों के बैंक खातों में स्थानांतरित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल 4.31 लाख लाभुक महिलाओं में से 308282 को उनके आधार से लिंक्ड खातों में राशि स्थानांतरित की गई, जबकि शेष 123111 महिलाओं को उनके बैंक खाता विवरण के आधार पर भुगतान किया गया।

SARAFA

सोना	:	8,500
चांदी	:	103.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार पंचतत्व में विलीन

MUMBAI : हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार को आज, शनिवार को दोपहर 12 बजे उन्हें अंतिम विदाई दी गई। दिग्गज अभिनेता का अंतिम संस्कार काफी गमगीन माहौल में विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट में हुआ। 'भारत कुमार' के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार अब पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया, जहां उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। यह सम्मान न केवल उनके सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिए था, बल्कि उनकी देशभक्ति से ओत-प्रोत फिल्मों और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनके समर्पण को भी दर्शाता है। मनोज कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका सिनेमा, आदर्श और व्यक्तित्व हमेशा भारतीय सिनेप्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगा।

जवानों ने एलओसी पर घुसपैठिए को मार गिराया

SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। घटना 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर में हुई, जब सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने संदिग्ध हलचल देखी। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि अब्दुलियां सीमा चौकी पर तैनात जवानों ने एक व्यक्ति को सीमा पार करते देखा। उसे चेतावनी दी गई, लेकिन वह नहीं रुका और भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। सुरक्षा को देखते हुए जवानों ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता लगाया जा रहा है। साथ ही घुसपैठिए के शव को मौके से हटाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

मुख्यमंत्री ने रामनवमी को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

दहशतगर्दों पर रहेगी नजर, हाईकोर्ट के आदेश का हो पालन : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अधिकारियों के साथ रामनवमी महोत्सव को लेकर बैठक की। इसमें उन्होंने राज्य में विधि-व्यवस्था संधारण की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सुनियोजित तरीके से अफवाह या अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे राज्य में रामनवमी महोत्सव आपसी प्रेम-सौहार्द, भाईचारा एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो इस पर फोकस रखें। साथ ही उन्होंने दशहतगर्दों पर नजर रखने को कहा है। इतना ही नहीं अखाड़ा समितियों से भी हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने को कहा है।

डीजे बजाने से संबंधित उच्च न्यायालय के आदेश की प्रति कराएं उपलब्ध

- शोभायात्रा में बाइक रैली की नई परंपराओं पर रोक लगाने का निर्देश
- सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन से की जाएगी निगरानी
- सुनियोजित तरीके से अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध सुनिश्चित करें कार्रवाई

संवेदनशील जगहों पर विशेष चौकसी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि रामनवमी महोत्सव पर शोभायात्र व अन्य धार्मिक आयोजन होते हैं, इसलिए यह समय काफी संवेदनशील हो जाता है। वैसे चिह्नित स्थान जहां इन आयोजनों के समय कोई छोटी-बड़ी घटनाएं होने की ज्यादा संभावनाएं रहती हैं, उन जगहों पर विशेष चौकसी रखी जाए।

शोभायात्रा का करें भौतिक सत्यापन

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाइसेंसी व गैर लाइसेंसी अखाड़ा समितियों को डीजे बजाने से संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश की प्रति उपलब्ध कराना हर हाल में सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं करने वालों पर क्या कार्रवाई किए जाने का नियम है, यह जानकारी अखाड़ा समितियों को दें, ताकि नियम का उल्लंघन न हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शोभायात्रा के दौरान सीसीटीवी कैमरा व ड्रोन से नजर रखी जाए। शोभायात्रा का भौतिक सत्यापन अवश्य करें।

आम लोगों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले कुछ वर्षों से रामनवमी महोत्सव के दौरान आयोजित शोभा यात्राओं पर बाइक रैली निकालने की नई परंपरा की शुरूआत हो रही है। किसी भी हाल में बाइक रैली न निकले यह सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस की सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बाइक रैली से आम जनमानस के साथ-साथ रैली आयोजकों पर असुरक्षा का खतरा बढ़ता है। ऐसे में बाइक रैली पर मजबूती के साथ रोक लगाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शोभायात्रा या जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन पूर्ण रूप से सतर्क रहे। किसी भी जगह अथवा क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बिगड़ती है तो उसकी सूचना पुलिस हेडक्वार्टर तथा कंट्रोल रूम को शीघ्र दें। पुलिस प्रशासन छोटी-छोटी घटनाओं पर भी पैनी नजर रखें।

पीएम मोदी व श्रीलंका के राष्ट्रपति ने की वार्ता, रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

NEW DELHI @ PTI :

शनिवार को भारत एवं श्रीलंका ने रक्षा सहयोग संबंधी एक महत्वाकांक्षी समझौते पर हस्ताक्षर किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहन द्विपक्षीय सहयोग का व्यापक खाका पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई तथा एक दूसरे पर निर्भर है। यह रक्षा समझौता उन सात अहम समझौतों में से एक है जिन पर प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच व्यापक वार्ता के बाद हस्ताक्षर किए गए। इस रक्षा समझौते को रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के लगभग चार दशक बाद हुआ है। मोदी ने मीडिया में जारी अपने वक्तव्य में कहा, हमारा मानना है कि हमारे सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर निर्भर है। उन्होंने कहा, मैं भारत के हितों के प्रति राष्ट्रपति दिसानायके की संवेदनशीलता के लिए उनका आभारी हूं। हम रक्षा सहयोग के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण समझौतों का स्वागत करते हैं। दिसानायके ने अपने वक्तव्य में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को आश्वासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा।

- द्विपक्षीय सहयोग का प्रधानमंत्री ने पेश किया व्यापक खाका, कहा- दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे पर निर्भर
- दिसानायके बोले- भारतीय हितों के खिलाफ अपनी भूमि का इस्तेमाल नहीं होने देगा श्रीलंका

श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण' से सम्मानित

शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी को शनिवार को श्रीलंका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मित्र विभूषण प्रदान किया गया। यह नागरिक सम्मान उन्हें कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने दिया। इस पुरस्कार में दिया गया धर्म चक्र साझा बौद्ध विरासत को दर्शाता है, जिसने दोनों देशों की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। चावल के ढेरों से सजा कलश समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह इस सम्मान को पाकर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ उनका नहीं,

बल्कि 140 करोड़ भारतीयों को सम्मान है। उन्होंने श्रीलंका और भारत के संबंधों के बारे में कहा कि श्रीलंका केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि भारत का पारंपरिक और भरोसेमंद मित्र भी है। उन्होंने कहा कि भारत हर मुश्किल घड़ी में श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा।

आयुष्मान योजना : फर्जी एमबीए डिग्री के जरिए नियुक्ति का आरोप

आशीष रंजन के ठिकानों से 16.50 लाख कैश जब्त

PHOTON NEWS RANCHI :

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) टीम ने आयुष्मान भारत योजना के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर आशीष रंजन के ठिकानों से 16.50 लाख रुपये सीज किए हैं। वह रांची सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना में पदस्थापित है। फिलहाल उसकी शैक्षणिक योग्यता और कोऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्ति मामले की विभागीय स्तर पर जांच जारी है। बता दें कि आयुष्मान घोटाला मामले में शुक्रवार की सुबह 21 ठिकानों पर शुरू हुई रेड देर रात में समाप्त हुई। छापेमारी के दौरान मिली नकद राशि की जांच पड़ताल के बाद ईडी ने कुल 18.50 लाख रुपये जब्त किए।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के पीएस ओम प्रकाश के घर से भी बरामद हुए ₹200000

गड़बड़ी से जुड़े दस्तावेज भी जांच एजेंसी ने किए जब्त

छापेमारी में दो लाख रुपये ओम प्रकाश के घर से जब्त किए गए। ओम प्रकाश के घर से फ्लैट और जमीन से संबंधित काफी दस्तावेज भी ईडी ने जब्त किए हैं। फिलहाल इसकी जांच चल रही है। ईडी ने थर्ड पार्टी असेसमेंट में लगी कंपनियों से जुड़े लोगों के ठिकानों में मिले डिजिटल डिवाइस, लैपटॉप सहित गड़बड़ी से जुड़े दस्तावेज भी जब्त कर लिए हैं।

2019 में हुई थी नियुक्ति

आशीष रंजन की नियुक्ति रांची सदर अस्पताल के पूर्व सिविल सर्जन डॉ. विजय विहारी प्रसाद के कार्यकाल में 2019 में हुई थी। इस पद पर नियुक्ति के लिए आवेदक के पास एमबीए की डिग्री होने की बाध्यता थी। सरकार को मिली शिकायत में यह आरोप लगाया गया था कि आशीष रंजन की एमबीए की डिग्री फर्जी है। उसने दरभंगा के इंस्टिट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट से एमबीए की डिग्री हासिल करने से संबंधित सर्टिफिकेट पेश किया था। आशीष रंजन पर आयुष्मान घोटाले को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

तेलंगाना में छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने कर दिया सरेंडर

JAGDALPUR : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाके दंतेवाड़ा पहुंचे हुए हैं। वे शनिवार को बस्तर पंडुम महोत्सव 2025 में शामिल हुए। इसी दौरान पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कोत्तागुडम में छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। यह जानकारी भद्राद्रि कोठागुडेम जिला मल्टी जोन 1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने दी। भद्राद्रि कोठागुडेम जिला मल्टी जोन 1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने कोठागुडेम के हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को बताया कि छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने भद्राद्री कोठागुडेम जिले और मुलुगु जिले की पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में 66 पुरुष और 20 महिला नक्सली शामिल हैं। आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सरकार के चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा कार्यक्रम के तहत इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

- आत्मसमर्पित नक्सलियों में 20 महिला नक्सली भी शामिल
- तेलंगाना सरकार के चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा कार्यक्रम के तहत किया गया आत्मसमर्पण

कामयाब कदम संस्थान के वैज्ञानिकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी है खास जानकारी

अंतरिक्ष मलबे की वृद्धि को रोक रहा इसरो का पीओईएम-4 मॉडल

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदमों ने पिछले चंद वर्षों में एक से बढ़कर एक उपलब्धि हासिल की है। इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन (इसरो) के वैज्ञानिकों के अथक प्रयास से पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक की समस्याओं के समाधान में भारत ने ने अहम भूमिका निभाई है। इसरो की उपलब्धियां में पोओईएम-4 मॉड्यूल की एक खास विशेषता है। इसके चौथे संस्करण को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे को कम करना है। धरती पर हो रही मानव गतिविधियों के कारण अंतरिक्ष भी प्रदूषित हो रहा है, यह अत्यंत चिंताजनक है। इसरो ने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है कि पीएसएलवी ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल (पीओईएम-4) का चौथा संस्करण पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर गया है। पीओईएम-4 अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग मिशन के लिए उपयोग किए जाने वाले ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान का पुनरुद्देशित प्रयुक्त ऊपरी चरण है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, अंततः पीओईएम-4 मॉड्यूल ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश किया।

संभावित खतरे को कम करने के लिए निष्क्रिय कर बाहर निकाला गया ईंधन

पृथ्वी के वायुमंडल में उपग्रह का फिर से दाखिल होना वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि

- स्पेस साइंस के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने स्थापित किए नए कीर्तिमान
- धरती पर मानवीय गतिविधियों के कारण स्पेस में भी बढ़ता जा रहा प्रदूषण
- अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग मिशन के लिए उपयोग किया जाने वाला ध्रुवीय उपग्रह है पीओईएम-4

30 दिसंबर 2024 को पीएसएलवी-सी60 ने जुड़वां स्पेडेक उपग्रहों को किया था प्रक्षेपित

मिलीं कई महत्वपूर्ण जानकारियां

इसरो की ओर से यह जानकारी दी गई है कि अपने मिशन जीवनकाल के दौरान पीओईएम-4 ने कुल 24 पेलोड्स (14 इसरो के और 10 विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के) को स्थान दिया था। सभी पेलोड्स ने अपेक्षित रूप से कार्य किया। इससे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक डाटा प्राप्त हुआ है।

सैटेलाइट के इंजन को फिर से किया एक्टिव

चार अप्रैल 2025 को भारतीय समयानुसार, पूर्वाह्न आठ बजकर तीन मिनट पर हिंद महासागर में टकराया। पीओईएम-4 को पृथ्वी के वायुमंडल में लाने की मुख्य वजह अंतरिक्ष मलबे की वृद्धि को रोकना है। इसरो के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। 30 दिसंबर 2024 को इसरो के पीएसएलवी- सी60 ने जुड़वां स्पेडेक उपग्रहों को प्रक्षेपित किया था। 475 किमी की ऊंचाई पर उपग्रहों को स्थापित करने के बाद पीएसएलवी सी 60 के विशेष रूप से तैयार किए गए ऊपरी चरण पीओईएम-4 को भी लगभग उसी कक्षा में रखा गया। अंतरिक्ष में बढ़ रहे मलबे को कम करने के उद्देश्य से इसे वापस पृथ्वी पर लाया गया। इसके बाद इसरो ने बताया कि पीओईएम-4 के इंजन को सक्रिय करके 55.2° झुकाव वाली लगभग 350 किमी की गोलाकार कक्षा में ले जाया गया। फिर आकस्मिक टूट-फूट की संभावित खतरे को कम करने के लिए पीएस-4 को निष्क्रिय कर उसमें से ईंधन बाहर निकाला गया।

9 अप्रैल तक तेज हवाओं के साथ वर्षा होने की संभावना

फिर बदलेगा मौसम, बारिश के साथ वज्रपात का अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

अप्रैल के प्रथम सप्ताह में झारखंड में लोग चिलचिलाती धूप का सामना कर रहे हैं। हर दिन उच्चतम तापमान में इजाफा हो रहा है। इस बीच फिर मौसम के मिजाज में परिवर्तन की जानकारी मिल रही है। रामनवमी के बाद मौसम में परिवर्तन से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। रामनवमी पर मौसम साफ रहेगा। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार हैं। गरज के साथ वज्रपात की भी आशंका मौसम विभाग ने जाहिर की है। इसे लेकर अलर्ट जारी किया गया है। येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी कर लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिनों में इसमें दो से तीन डिग्री की गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग ने अपने पूवानुर्मान में बताया है कि रविवार को आसमान साफ रहेगा।

- अगले तीन दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है अधिकतम तापमान

मन मोह लेगी धनौल्टी की अद्भुत छटा

घुमक्कड़ की पाती

पहाड़ी रास्तों पर चढ़ते ही हवा ठंडी और ताजी हो गई। सड़कें घुमावदार थीं और हर मोड़ पर पहाड़ों का नजारा बदलता था। करीब 7 घंटे की ड्राइव के बाद शाम तक मैं धनौल्टी पहुंचा। धनौल्टी में ठहराव मैंने एप्पल ऑर्चर्ड रिसॉर्ट में ठहरने का फैसला किया, जो धनौल्टी के मुख्य बाजार से करीब 1 किलोमीटर दूर है। यह रिसॉर्ट एक सेब के बगीचे के बीच में है और कमरों से हिमालय की चोटियों का सुंदर नजारा दिखाई देता है।

दिल्ली से धनौल्टी की यात्रा यात्रा की स्मृतियां आज भी मेरे जेहन में है। मैंने अपनी इस यात्रा की योजना कुछ हफ्ते पहले बनाई थी क्योंकि धनौल्टी एक शांत पहाड़ी स्टेशन है जो दिल्ली से करीब 288 किलोमीटर दूर है। इस जगह पर मैंने कार से जाने का फैसला किया क्योंकि यह तरीका अधिक लचीला और सुविधाजनक था। मेरी यात्रा के मार्ग में मेरठ, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे शहर आए जो यात्रा को और भी रोचक बना रहे थे। इस यात्रा के लिए सुबह 6 बजे मैंने दिल्ली से प्रस्थान किया। शुरूआत में सड़कें व्यस्त थीं, लेकिन जैसे-जैसे मैंने शहर छोड़ा दृश्य बदलने लगे। खेतों और छोटे गांवों से गुजरते हुए मैंने हरिद्वार में गंगा नदी को पार किया। वहां का दृश्य बहुत आध्यात्मिक था, मैंने कुछ तस्वीरें लीं। ऋषिकेश में मैंने दोपहर का भोजन लिया। स्थानीय थाली में आलू की सब्जी और पराठा शामिल था।

पहाड़ी रास्तों पर चढ़ते ही हवा ठंडी और ताजी हो गई। सड़कें घुमावदार थीं और हर मोड़ पर पहाड़ों का नजारा बदलता था। करीब 7 घंटे की ड्राइव के बाद शाम तक मैं धनौल्टी पहुंचा। धनौल्टी में ठहराव मैंने एप्पल ऑर्चर्ड रिसॉर्ट में ठहरने का फैसला किया, जो धनौल्टी के मुख्य बाजार से करीब 1 किलोमीटर दूर है। यह रिसॉर्ट एक सेब के बगीचे के बीच में है और कमरों से हिमालय की चोटियों का सुंदर नजारा दिखाई देता है।

रिसॉर्ट के स्टाफ ने बहुत अच्छा स्वागत किया और कमरे आरामदायक थे। पहली रात मैंने रिसॉर्ट के रेस्तरां में खाना खाया जहां मैंने स्थानीय गढ़वाली व्यंजन काफूली ट्राई किया। काफूली पालक और मेथी की पत्तियों से बना एक गाढ़ा करी है जो चावल या रोटी के साथ परोसा जाता है। इसका स्वाद बहुत ताजा और पौष्टिक था और मैंने इसे बहुत पसंद किया।

दूसरे दिन हम इको पार्क और सुरकंडा देवी मंदिर गए। इस जगह पर दुनिया भर से लोग अपनी धार्मिक आस्था के लिए आते हैं। यह धनौल्टी के मुख्य आकर्षणों में से एक है। यह पार्क 13 हेक्टेयर में फैला हुआ है और देवदार, ओक और रोडोडेंड्रोन के पेड़ों से घिरा है। पार्क को उत्तराखंड के वन विभाग और स्थानीय लोगों ने मिलकर विकसित किया है, ताकि गरीब लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों।

मैंने वहां की ट्रेल्स पर टहलते हुए प्रकृति का आनंद लिया। पार्क में ट्रेकिंग, बर्डवॉचिंग और साहसिक गतिविधियां जैसे ज़िपलाइनिंग और रॉक क्लाइंबिंग की सुविधा है। मैंने एक गाइड के साथ ट्रेक किया, जिसने मुझे स्थानीय वनस्पति और जीव-जंतुओं के बारे में बताया। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय पार्क का नजारा बहुत सुंदर था और मैंने कई तस्वीरें लीं। दोपहर के भोजन के लिए मैंने एक स्थानीय ढाबे में फानू ट्राई किया, जो दाल से बना एक करी है। यह बहुत स्वादिष्ट था और मैंने इसे चावल के साथ खाया। फिर मैं सुरकंडा देवी मंदिर गया जो धनौल्टी से करीब 9 किलोमीटर दूर है। मंदिर तक पहुंचने के लिए कद्दूखाल गांव से 2 किलोमीटर की ट्रेक करनी पड़ी। ट्रेक थोड़ा चुनौतीपूर्ण था लेकिन रास्ते में पहाड़ों और घने जंगलों का नजारा बहुत सुंदर था। मंदिर हिंदू देवी सती को समर्पित है और 51 शक्ति पीठों में से एक है। मंदिर से हिमालय की चोटियों का 360 डिग्री का नजारा दिखाई देता है, जो बहुत शांतिप्रद था। शाम को मैं रिसॉर्ट लौट आया और वहां बोनफायर का आनंद लिया। रात में तारे बहुत चमकीले थे और मैंने कुछ समय आसमान को निहारते हुए बिताया।

तीसरे दिन मैंने एप्पल ऑर्चर्ड रिसॉर्ट और टिहरी बांध का दौरा किया। वहां मैंने सेब की खेती के बारे में जाना और सीजन के दौरान ताजे सेब तोड़े। रिसॉर्ट का माहौल बहुत शांत था। मैंने वहां कुछ समय बिताकर प्रकृति का आनंद लिया। फिर मैं टिहरी बांध गया जो धनौल्टी से करीब 35 किलोमीटर दूर है। यह भारत का एक बड़ा बांध है और वहां की झील का नजारा बहुत सुंदर था। मैंने झील पर नाव की सवारी की, जो बहुत शांतिप्रद अनुभव था। बांध के आसपास के पहाड़ों का दृश्य भी मनमोहक था।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

स्वाद व सेहत से भरपूर गढ़वाली व्यंजन

रात के खाने में मैंने चैनसू ट्राई किया, जो भुनी और पीसी हुई काली दाल से बना एक प्रोटीन से भरपूर व्यंजन है। इसका स्वाद बहुत गहरा और स्वादिष्ट था और मैंने इसे रोटी के साथ खाया। स्थानीय खानपान और अनुभव की बात की जाए तो धनौल्टी में खाने के विकल्प सीमित हैं, लेकिन जो उपलब्ध है वह बहुत ताजा और स्वादिष्ट है। गढ़वाली व्यंजन मुख्य रूप से स्थानीय सामग्री से बने हैं, जैसे पालक, मेथी, दाल और अनाज। मैंने काफूली, फानू और चैनसू के अलावा आलू के गटके भी ट्राई किए जो छोटे आलुओं से बनी एक स्वादिष्ट सब्जी है। स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए मैंने जाना कि इन व्यंजनों को धीमी आंच पर पकाया जाता है, ताकि स्वाद और पौष्टिकता बनी रहे। खाना खाते समय मैंने महसूस किया कि यह खाना न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

मसूरी व टिहरी भी जाएं

मेरी धनौल्टी यात्रा बहुत यादगार रही। इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और स्थानीय खाने ने इसे एकदम सही गेटअवे बनाया। मैं इसे उन लोगों को सुझाऊंगा जो प्रकृति और शांति की तलाश में हैं। अगर आप जा रहे हैं तो स्थानीय खाने को जरूर ट्राई करें और इको पार्क में सूर्योदय देखना न भूलें। साथ ही धनौल्टी के आसपास की जगहों को भी घूमें। समय होता तो मैं देवगढ़ फोर्ट और कनाताल एडवेंचर कैंप भी जाता। देवगढ़ फोर्ट 16वीं सदी का है और वहां कई सुंदर महल और जैन मंदिर हैं। कनाताल में ट्रेकिंग और कैंपिंग का आनंद लिया जा सकता है, जो साहसिक प्रेमियों के लिए आदर्श है। अपनी धनौल्टी यात्रा के दौरान आप कानाताल, मसूरी और टिहरी भी जा सकते हैं। यह जगहें बहुत ही खूबसूरत हैं। इन जगहों पर वह सब कुछ है जो एक सैलानी को चाहिए। देश के प्रमुख पर्यटन स्थल होने के साथ साथ आसपास ही स्थित हैं। इन जगहों की यात्रा आपके यात्रा अनुभवों को और भी ज्यादा बढ़ा देगी और आपकी यात्रा यादगार बन जाएगी।

कविता

संतोष चौबे
जमशेदपुर

इससे बेहतर नहीं

या तो फिर सुबह नहीं शाम नहीं दुनिया में।

है कोई ऐसा जो बदनाम नहीं दुनिया में
हो बुलंदी पे और कोहराम नहीं दुनिया में।।

फिर तो ये सुबह नहीं शाम नहीं दुनिया में
गर किसी शख़्स पे इलजाम नहीं दुनिया में।।

दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना
दर्द से अच्छा कोई बाम नहीं दुनिया में।।

आ कि आवाम को ख़्वाबों का महल दिखलाएं
इससे आसान कोई काम नहीं दुनिया में।।

हमको लंगड़ा ही समझते हो तो समझो लेकिन
हमसे बेहतर भी कोई आम नहीं दुनिया में।।

जो ना देता हो मोहब्बत की सदायें सबको
ऐसा मजहब कोई पैगाम नहीं दुनिया में।।

कुछ भी अच्छा है कहीं तो है बुरे के कारण
अब जो रावण नहीं तो राम नहीं दुनिया में।।

सुबह से शाम लगा दौड़ मुकद्दर के लिए
वो सुकून चैन वो आराम नहीं दुनिया में।।

हो गया खुद की तरक्की पे अगर जो संतोष
इससे बेहतर कोई ईनाम नहीं दुनिया में।।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

क्या आप... हैं

दिलीप कुमार

जुनुबी एशिया के खित्ते में आजकल गधे की बहुत चर्चा है। हमारे देश में गधों पर बाकमाल चचाएँ हो रही हैं। तमाम सियासतदानों में होड़ मची है। इस चर्चा को मुकम्मल मुकाम तक ले जाने को। कहते हैं कि अदब में आप जिंदगी पर घिसते रहें तो भी अदीब माने जाएंगे कि नहीं, ये सन्देह की बात है, लेकिन सियासत में कब कौन सा गधा, घोड़ा बन जाए, ये कोई नहीं जानता। सियासत तब अस्तबल बन जाती है, जब मुमालिक की जिंदगी चलाने वालों के घर गधे पैदा हो जाते हैं। मगर उनको प्रोजेक्ट घोड़े की तरह किया जाता है, ये घोड़े, खटती हुई जनता के खून-पसीने की कमाई पर जुगाली करते रहते हैं, इनका जन्म ही इसीलिए हुआ है 'मर मर मेहनत करे बैलवा, दाना खाये तुरंग'। उधर पाकिस्तान में आजकल गधा ही नेशनल डिबेट का मुद्दा बन गया है। क्योंकि, चीन ने उनकी सी-पैक्ट में आगे निवेश करने से मना कर दिया है। क्योंकि, चीनियों का मानना है कि पाकिस्तान में गधों के फलने-फूलने के लिए बहुत मुफीद माहौल है। चीनी लोग गधों को पालने के लिए पाकिस्तान में प्रोत्साहन योजनाएं चला रहे हैं। पाकिस्तान में दुनिया के गधों की तीसरी बड़ी आबादी है। 'चीन और पाकिस्तान में एक करार हुआ है कि पाकिस्तान, चीन को 'सभी मौसम' में गधों का निर्यात करेगा'। पाकिस्तान में इंसानी गधे सिर्फ बम फोड़ने के लिए इस्तेमाल होते थे महज चन्द हजार रुपयों के लिए। लेकिन, अब असली गधे कम से कम बीस हजार पाकिस्तानी रुपये में आते हैं। पाकिस्तान के असली गधे की कीमत में दो इंसानी गधे मिल जाते हैं, बम फोड़ने के लिए। इंसानी गधों को जिलेटिन देकर भेजना होता था ब्लास्ट करने के लिए, लेकिन वास्तविक गधे की खाल में जिलेटिन होता है, जिससे चीन में दवाइयां बनती हैं। या इलाही चाइना का माल खाकर इंसान पनप जाए तो फिर खुदा का खैर, वरना फिर अल्ला-अल्लाः खैरसल्ला। आतंकवाद के बाद पाकिस्तान अब गधे के एक्सपोर्टर के तौर पर दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है। आतंकवादी निर्यात करने में पाकिस्तान अभी सिरमौर है, गधे के मामले में तीसरी पोजीशन है...। हाफिज सईद ने मुरीदके से एक स्टेटमेंट जारी किया है कि दूसरे देशों में जाकर बम फोड़ने वालों को अगर गधा मान लिया जाए तो पाकिस्तान को गदहों के एक्सपोर्टर का सिरमौर का खिताब मिल जाएगा। इस आंकड़े पर आईएमएफ पाकिस्तान को कुछ कर्जा और दे दे गधे की गारंटी पर। पाकिस्तान, चीन को तिरपन लाख के गधे बेचने की फिराक में है, गधों के अलावा चीनी वहाँ के देसी कुतों को मार-मार कर खा रहे हैं। इस्लामाबाद की रिहायशी कालोनियों में चीनियों का ये खान-पान वहां के बाशिंदों की जिंदगी हराम किए है। युवान की खुशबू भी इस बदबू को दूर नहीं कर पा रही है।वैसे उस्ताद इब्ने इंशा साहब ये बात पहले फरमा गए थे कि 'चीनियों के बाप और पाकिस्तानियों की बात का कभी भी भरोसा नहीं करना चाहिए'। अब देखिए ना, गधों से भरा-पूरा न्यू पाकिस्तान बनाने की कवायद जोर-शोर से चल रही है। हाल ही में पाकिस्तानी मीडिया में इस बात का खासा जश्न मनाया गया कि मौजूदा सरकार ने अपने कार्यकाल में सौ बिलियन डॉलर का कर्ज हासिल करने का रिकॉर्ड कायम किया है। हालत ये है कि उनको कर्जा चुकाने के लिए भी कर्जा लेना पड़ रहा है। उस्ताद शायर पॉपुलर मेरठी फरमाते हैं कि ये तो वही मिसाल है कि - 'मैं अपने चश्मे को चश्मा लगाकर ढूंढता हूं'। मिसाल है कि रफी साहब पचास बरस पहले जब गा रहे थे कि - 'दे दे तेरे शहर में इंटरनेशनल भिखारी आए हैं'। तब पाकिस्तान के सदर गा रहे थे कि - 'घास की रोटियां खा लेंगे मगर एटम बम जरूर बनाएंगे'।

गधों की बात चली तो मुझे भी अक्सर मेरे वालिद साहब बचपन से कहा करते थे कि तू तो गधा है। उन्होंने मुझे इतनी बार गधा कहा कि मुझे इस बात का शुबहा होने लगा कि मैं इंसान हूं या गधा। अक्सर मैं अपने मोहल्ले के कल्लू धोबी के गधे के पास जाता और अकेले में उसको निहारता कि ये मेरे जैसा है या मैं इसके जैसा हूं। ज्यों-ज्यों मेरी उम्र बढ़ती गयी त्यों-त्यों ये तस्दीक हर तरफ से होती गयी कि मैं गधा हूं। मुझे इस बात की तसल्ली रहती थी कि मेरे वालिद ही मुझे गधा कहते हैं, वालिदा नहीं कहतीं कि मैं गधा हूं। इस बात से मैं काफी हलकान रहा करता था। फिर एक दिन मेरे एक सीनियर ने समझाया कि गधा होना शर्म की बात नहीं है, लिटरेचर में फख्र की बात हो सकती है।उन्होंने मुझे अजीम राइटर कृष्ण चंदर की किताब दी। उसे पढ़कर मेरा गधापन और पैना हो गया। जब भी कोई मुझे कहता कि तुम गधे हो तब मैं उससे मुस्करा कर कहने लगा- 'शर्मो हया कहाँ तक, है मीर कोई दम के अब तो मिला करो तुम, टुक बेहिजाब होकर'

हो सकता है मेरी माँ भी मुझे गधा समझती रही हों, मगर उन्होंने मुझे कभी गधा कहा नहीं। माँ का दिल जो ठहरा, हमारे देश में कोई माँ अपने बेटे को गधा नहीं कहती, भले ही वो ऑफिसियल और लिस्टेड गधा हो। वैसे ही मेरी मां अक्सर मुझे वैशाखनंदन कहकर बुलाती थीं। मुझे इस बात की बड़ी तसल्ली थी कि मेरा जन्म वैशाख माह में हुआ था और मैं उनका लाडला था, इसलिए वो मुझे वैशाखनंदन बुलाती रहती थीं। इस बात का पता मुझे तब चला जब जब मेरी समझदार पत्नी ने मेरी माँ से कहा 'आपका बेटा गधा है, आपने मुझे किसके पल्ले बांध दिया'? तब दूसरी समझदार महिला मेरी माँ ने मेरी पत्नी से कहा

'मैंने तो तुम्हे वैशाखनंदन दिया था, अब तुमने उसे गधा बना दिया तो मैं क्या करूँ'। पत्नी ने बहुत समझदारी दिखाई, मेरी माँ की विरासत को बखूबी सम्भाला। वल्लाह वो दिन है और आज का दिन है, उसने मुझे कभी गधा नहीं कहा और हमेशा यही कहती है 'यू आर एन एस्स'। मैंने इस बात पर एतराज किया तो वो हमेशा कहती है कि मैं तुमको गधा थोड़ी ना कह रही हूँ। जब तुमने इतने साल अपनी माँ के वैसाखनंदन कहने पर एतराज नहीं किया तो मेरे एस्स कहने पर क्यों नाराज होते हो। आम आदमी माँ और बीवी के ताने सुनकर ऐसा हो जाता है, जैसे पश्चिम बंगाल में सीबीआई। मैं जब कॉलेज गया तो गधों की तरह पढ़ता रहता साल भर और नोट्स बनाता रहता है और लोग कुंजियों के दम पर टॉप कर जाते। दफ्तर में भी सब मेरे गधे जैसे काम करने की मिसाल देते हैं पर तुलना बैल से कर देते हैं।प्रेम के इस खुशनुमा हफ्ते में जब मुझे इस बात का यकीन हो गया कि जब मेरे आसपास के लोग ये मान ही बैठे हैं कि मैं गधा हूँ तो घोड़ियों के बारे में क्या सोचना। किसी गधी को प्रपोज कर देता हूँ। काफी तजबीज के बाद जब मैंने एक गधी को प्रपोज किया तो वो झल्ला उठी 'हे यू देसी डंकी हाऊ डेअर यू, यू सड़कछाप हिंडी का लेखक, मेरे को प्रपोज करता है'।

मैंने अचरज से कहा 'क्यों आप भी तो गधी ही हैं, आपके इल्म की कूवत गधियो जैसी है, गधी को गधा प्रपोज नहीं करेगा तो और कौन करेगा'।

'कूल डूड, नॉट ए इंडिजीनस डफर डंकी लाइक यू'।

ये कहते हुए उसने मेरे गुलाब के फूल को अपनी हाई हील की सैंडिल से मसल दिया और मेरी सब्जी के झोले में रखा गोभी का फूल मेरे सिर पर दे मारा। इस गोभी प्रहार से मेरा चेहरा पिघली हुई चॉकलेट की तरह हो गया और मेरी आँख खुल गयी। सामने मेरा बेटा खड़ा था उसने मुझे दूध की बाल्टी देते हुए कहा 'पापा, मैं खेल रहा था तो मम्मी ने मुझे बुलाया और कहा ऐ गधे के पूत जाकर अपने पापा को जगाकर ये दूध की बाल्टी दे दो और कह दो कि जल्दी जाएं वरना दूध वाला पानी मिला देगा। ये लो बाल्टी पापा'।

मैं स्वप्नसुंदरी गधी के गोभी प्रहारों से अभी उबरा भी नहीं था कि बेटे ने बड़ी मासूमियत से पूछा 'पापा, मम्मी ने मुझे गधे का पूत क्यों कहा? मैं आपका पूत हूँ तो क्या आप गधे हैं'।

अबोध बच्चे के मासूम सवालों का मेरे पास कोई उत्तर नहीं है अगर आपके पास इस बात का जवाब हो तो बताइए।

भाजपा एक साथ मनाएगी रामनवमी व स्थापना दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : 6 अप्रैल को भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस और रामनवमी का उत्सव एक साथ धूमधाम से मनाएंगे। यह जानकारी भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ,. रविंद्र कुमार राय ने गिरिडीह जिले के सरिया में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का संयोग विशेष है। भाजपा का स्थापना दिवस और रामनवमी दोनों एक ही दिन पड़ रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ता इस अवसर पर अपने-अपने घरों और पार्टी कार्यालयों पर पार्टी ध्वज लगाकर आयोजन की शुरूआत करेंगे।

स्कूल और अस्पतालों का करेंगे दौरा : उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान कार्यकर्ता स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अस्पतालों का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लेंगे। खासतौर पर आपातकाल, मिसा बंदी और कारसेवकों को सम्मानित करने का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

रविंद्र राय ने कहा कि भाजपा ने देश को नई दिशा दी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, जो आजाद भारत में पहले कभी नहीं हुए थे। इनमें अयोध्या में राम जन्मभूमि का मुक्तिकरण, तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को मुक्ति, धारा 370 का समापन और 33% महिला आरक्षण कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे भाजपा के मूल विचार 'अंत्योदय' को जन-जन तक पहुंचाएं और जो लोग अभी तक पार्टी से नहीं जुड़े हैं, उन्हें जोड़ने का प्रयास करें।

चलेगा गांव चलो अभियान

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि 7 से 12 अप्रैल तक पार्टी कार्यकर्ता गांव/बस्ती चलो अभियान चलाएंगे। इस दौरान स्वच्छता अभियान के साथ-साथ भाजपा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। कार्यकर्ता गांवों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल भी लगाएंगे और मोदी सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों पर चर्चा करेंगे।

निगरानी के लिए बनी समिति

प्रदेश स्तर पर इस अभियान की निगरानी के लिए एक समिति बनाई गई है, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक भगत, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह और कार्यसमिति सदस्य अमित कुमार शामिल हैं।

पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क

रामनवमी को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, अतिरिक्त बलों की तैनाती

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में रामनवमी के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राज्य सरकार ने इस पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त सुरक्षा की योजना बनाई है। राज्य के 24 जिलों में 12,767 से अधिक अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है, जिसमें डीएसपी, इंस्पेक्टर, दारोगा, रैपिड एक्शन पुलिस, लाठी बल, सशस्त्र बल, सीएपीएफ, होमगार्ड, अश्रु गैस दस्ता, अग्निशमन दस्ता और बम निरोधक दस्ता शामिल हैं।

रामनवमी के मौके पर तैनात किए गए अतिरिक्त बलों में 25 डीएसपी, 20 इंस्पेक्टर, 1130 एसआई-एएसआई, छह रैपिड एक्शन फोर्स, 5577 लाठी बल शामिल है। इसके अलावा 315 सशस्त्र बल, आठ सीएपीएफ कंपनियां, 5400 होमगार्ड, दो अश्रु गैस दस्ते, छह अग्निशमन सेवा, दो बम निरोधक दस्ते और जोनल आइजी के अलावा रेंज डीआइजी के साथ 300 अन्य बल शामिल हैं।

विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश

सुरक्षा बलों की तैनाती के अलावा, जोनल आईजी और रेंज आईजी को भी अतिरिक्त फोर्स दिया गया है ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके। पर्व के मद्देनजर हजारीबाग, गिरिडीह, लोहरदगा, बोकारो, जमशेदपुर जैसे प्रमुख जिलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस महकमे के आला अधिकारी विशेष रूप से सजग हैं। इस संबंध में आइजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने शनिवार को बताया कि रामनवमी के दौरान सभी जिलों में सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती की गई है और पर्व के दौरान किसी भी असामाजिक तत्व को नकारात्मक गतिविधियों को अंजाम देने का मौका नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया के जरिए फैलाए जा रहे भ्रामक और आपत्तिजनक संदेशों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

» रांची पुलिस ने शहर के लोगों से की शांति बनाए रखने की अपील

» सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए बनाई गई है स्पेशल टीम

नगर निगम की फ्री बस सर्विस

रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रांची नगर निगम ने नि:शुल्क नगर बसों का परिचालन करने का निर्णय लिया है। ये बसें 6 अप्रैल को रांची जिले में शोभायात्रा के समापन के बाद श्रद्धालुओं की वापसी सुनिश्चित करेंगी। रांची से निकलने वाले शोभायात्रा का समापन तपोवन मंदिर निवारणपुर में होगा और वहां से लौटते श्रद्धालुओं के लिए 10 प्रमुख मार्गों से नि:शुल्क नगर बसों का संचालन किया जाएगा। ये बसें बड़गाई-बरियातु रोड होते हुए सरकारी बस स्टैंड तक जाएगी। इसके अलावा बूटी मोड़-कोकर चौक होते हुए सरकारी बस स्टैंड पहुंचेगी। वहीं बोड़ेया चौक-टैगोर हिल होते हुए सरकारी बस स्टैंड पहुंचेगी। चांदनी चौक-कांके रोड होते हुए भी एक बस सरकारी बस स्टैंड तक जाएगी। पंडरा-रातू रोड होते हुए बस से लोग सरकारी बस स्टैंड पहुंच सकते है। इसके अलावा कटहल मोड़ से रातू रोड होते हुए बस सरकारी स्टैंड जाएगी। कटहल मोड,-रातू रोड-ईटकी रोड होते हुए बस राजेन्द्र चौक को जाएगी।

आपसी भाईचारे के साथ मनाएं रामनवमी

रांची पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे शांति और आपसी भाईचारे के साथ रामनवमी मनाएं। किसी भी प्रकार की उत्तेजक, भड़काऊ या आपत्तिजनक सामग्री को सोशल मीडिया पर साझा न करें। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें कोई भी विवादित मैसेज या वीडियो प्राप्त होता है तो वे उसे फॉरवर्ड करने के बजाय पुलिस को सूचना दें।

निर्धारित मार्ग से ही निकालें जुलूस

इसके अलावा रांची पुलिस ने यह भी कहा है कि सभी जुलूस को निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाए और किसी भी परिस्थिति में रूट में बदलाव न किया जाए। झारखंड पुलिस ने रामनवमी के दौरान सोशल मीडिया की निगरानी के लिए एक हाईटेक मॉनिटरिंग सेल स्थापित किया है, जो फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर नजर रखेगा।

ईद, सरहुल और रामनवमी मिलन समारोह का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : ईद के अवसर पर सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को वाईएमसीए कांटाटोली में सद्भावना समिति रांची की ओर से ईद,सरहुल और रामनवमी मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रमुख नेता, शहर के धार्मिक एवं समाजसेवी संगठनों के लोग और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया और एक-दूसरे को ईद की हार्दिक बधाई दी। इस मौके पर पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय ने कहा कि ईद,सरहुल और रामनवमी का पर्व प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि त्योहार हमें एकजुटता का पाठ पढ़ाते हैं और समाज में शांति और सद्भाव बनाये रखने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद,सरहुल और रामनवमी की बधाई दी और इस शुभ अवसर पर समाज में शांति, प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान लोगों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। पारंपरिक सेवइयों का आनंद लिया गया और आपसी मेल-मिलाप का खुशनुमा माहौल देखने को मिला।

उपस्थित लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकजुटता और परस्पर प्रेम को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। ईद मिलन समारोह में उपस्थित सभी संगठनों के लोगों ने इस प्रकार के आयोजनों को आगे भी जारी रखने पर बल दिया। मौके पर सुबोध कांत सहाय, यशस्विनी सहाय, विधायक राजेश कच्छप, महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, विनय सिन्हा दीपू, राजेश गुप्ता छोटू, अजय तिर्की, हुसैन खान, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अकीलुल रहमान, मौलेश सिंह, एहतेशाम मंजर, मुकेश नायक, संदीप टाईगर, राहूल उंराव, राजेश सिन्हा, राज उंराव,गौतम सिंह, वेदांत कौस्तव, कृष्णा सिंह, नीतिश सिंह, मो. रमजान, रुपचंद तिर्की आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में नौशाद खान, मुजीब कुरैशी, सैयद रमीज जावेद, अमीरूल होदा, पप्पू कुरैशी, विमल नाग, ओम सिंह, आशीष टोपनो, चोनस कुजूर, सादिक साबरी, सरफराज अंसारी, घनश्याम दास, त्रिलोचन सिंह, इबरार खान की अहम भूमिका रही।

BRIEF NEWS

स्वास्थ्य बीमा योजना पर प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

RANCHI : रांची समाहरणालय सभागार में शनिवार को राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के विभिन्न विभागों के सहायक एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला नोडल पदाधिकारी (स्वास्थ्य बीमा योजना) मोनी कुमारी ने की। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को योजना के महत्व और इसके सुचारू क्रियान्वयन के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में राज्य स्तर से पहुंची तकनीकी टीम ने पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया, दस्तावेज अपलोडिंग, तथा व्ययन पदाधिकारी द्वारा सत्यापन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, योजना से जुड़ी तकनीकी समस्याओं और उनके समाधान भी साझा किए गए।

आदिवासी समुदाय के लोगों ने की केंद्रीय सरना स्थल पर शुद्धिकरण पूजा

PHOTON NEWS RANCHI : प्रकृति पर्व सरहुल शोभायात्रा पर केंद्रीय सरना स्थल में काला पट्टा दिखाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश ने आदिवासी समाज को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार को इस घटना के विरोध में सरना धर्मावलंबियों ने सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल पर शुद्धिकरण पूजा का आयोजन किया। मुख्य पाहन रोहित हंस की अगुवाई में सरना धर्मावलंबी शुद्धीकरण पूजा में शामिल हुए।

इस दौरान लोगों ने एकजुट होकर समाज को बांटने की साजिशों का विरोध किया और एक स्वर में कहा गया कि सरना आस्था के केंद्र में इस तरह की नकारात्मक राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर परकेंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि रैंप से जुड़ी समस्याओं का समाधान संवाद और सही योजना से ही संभव है। उन्होंने चेताया कि इस मुद्दे पर अवसरवादी राजनीति से बचना चाहिए। सरना समाज से प्रकाश हंस ने कहा कि समाज को कलंकित करने का काम किया गया। सरहुल की शोभा यात्रा की पवित्रता पर आंच आई है।

स्थानीय लोगों पर कार्रवाई निंदनीय : कमलेश

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बोकारो में हुई घटना की निंदा करते हुए अपने हक और अधिकार की मांग कर रहे स्थानीय निवासियों पर की गई कार्रवाई निंदनीय और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्रबंधन के समक्ष विस्थापित निवासी अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलनरत हैं, लेकिन केंद्र सरकार के मंत्री उनकी मांगों को नजरअंदाज कर आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के लोग संघर्ष करके परिणाम को अपने पक्ष में करते हैं। इसलिए केंद्र किसी मुगालते में ना रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी विस्थापित आंदोलनकारियों के साथ है। उनकी तमाम जायज मांगों को केंद्र सरकार को मानना होगा, मांगों की पूर्ति और आंदोलनकारियों की संतुष्टि तक संघर्ष में कांग्रेस साथ निभाएगी।

रोजगार के अवसर किए जा रहे बंद

कमलेश ने कहा कि भाजपा की गिद्धदृष्टि झारखंड के सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) पर है। केंद्र सरकार धीरे-धीरे देश के सार्वजनिक उपक्रमों को अपने मित्रों की कंपनियों को सौंप रही है। इस क्रम में एक योजना के तहत झारखंड के उपक्रमों में औद्योगिक को अव्यवस्था उत्पन्न कर उसे बंदी की कगार पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। नियमित रोजगार के अवसर बंद किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील का प्रबंधन केंद्र सरकार के हाथों में है। सुरक्षा व्यवस्था गृह मंत्रालय के अधीन सीआईएसएफ के हाथों में है। सीआईएसएफ की लाठीचार्ज की घटना के विरोध में केंद्र सरकार में सहयोगी दल आजसू बोकारो बंद में अपनी भूमिका निभा रहा है। इससे स्पष्ट है कि केंद्र सरकार अपने सहयोगियों के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है और नहीं तो मोदी सरकार की ओर से जानबूझकर बोकारो के लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास किया जा रहा है।

शव लेने के लिए एक मां को जमीन बेचने की नौबत हेमंत सरकार के मुंह पर तमाचा : बाबूलाल

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक असहाय मां को अपने बेटे का शव अस्पताल से लेने के लिए अपनी जमीन बेचनी पड़ी, यह घटना हेमंत सरकार के मुंह पर तमाचा है। उन्होंने शनिवार को कहा कि सड़क हादसे में घायल बेटे का इलाज कराने के लिए मां ने हर संभव कोशिश की। अस्पताल ने 40 हजार रुपये का बिल थमा दिया और जब पैसे नहीं दिए गए, तो शव सौंपने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मजबूरी में उस मां ने अपनी वो जमीन बेच दी, जो शायद उसकी ज़िंदगी की आखिरी पूंजी थी। उन्होंने कहा कि काले धन के लालच ने हेमंत सरकार को संवेदनहीन बना दिया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार में नाम मात्र की भी शर्म बची हो तो अस्पताल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई करें।

महावीर मंडल के नेतृत्व में निकलेगी मुख्य शोभायात्रा

PHOTON NEWS RANCHI : महावीर चौक स्थित श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट कार्यालय में केंद्रीय समिति श्री महावीर मंडल, रांची ने शनिवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया गया कि केंद्रीय समिति के नेतृत्व में राजधानी रांची में रामनवमी पर मुख्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव ने बताया कि मुख्य शोभायात्रा दोपहर दो बजे बजरा से निकलकर पिस्का मोड़ होते हुए महावीर चौक पहुंचेगी। शोभायात्रा के संचालन के लिए रांची में 20 टोलियों का क्षेत्र अनुसार गठन किया गया है। इसमें लगभग 1500 राम भक्तों को जोड़ा गया है। शोभायात्रा में 20 लाख से भी अधिक राम भक्त बजरंगबली के झंडे के संग, गाजे-बाजे और पारंपरिक हथियारों के साथ शामिल होंगे।

इन मार्गो से गुजरेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा बड़गाई, मेडिकल चौक, एदलहातु, करमटोली, जेल चौक, कचहरी चौक होते हुए शहीद चौक पहुंचेगी। वहीं गाड़ीहोटवार, कोकर, लालपुर, थड़पकना की ओर से आने वाली शोभायात्रा अल्बर्ट एक्का चौक में मिलेगी। लोवाड़ीह, कांटाटोली, पत्थलकुदवा, पुरुलिया रोड से सर्जना चौक पर शोभायात्रा का मिलान होगा। इसके अलावा पुंदाग, अरगोड़ा, गाड़ीखाना, पुरानी रांची, अपर बाजार होकर शहीद चौक शोभायात्रा पहुंचेगी। धावनगर, कांके रोड, गांधीनगर, हातमा से शोभायात्रा चलकर महावीर चौक पहुंचेगी। शहरी क्षेत्र में नामकुम, चुटिया, गुदड़ी, कर्बला चौक, चर्च रोड की ओर से आने वाली शोभायात्रा काली मंदिर चौक पहुंचेगी। वहीं हिंदपीढ़ी, लेक रोड, मल्लाह टोली की ओर से आने वाली शोभायात्रा उर्दू लाइब्रेरी चौक पर पहुंचेगी। वहीं भूतहा तालाब, व्यायामशाला, नवा टोली, जालान रोड की ओर से आने वाली शोभायात्रा शहीद चौक पर मिलेगी। समलोंग, चुटिया, बहू बाजार, चर्च रोड की ओर से आने वाली शोभायात्रा संकट मोचन मंदिर मेन रोड पहुंचकर सभी शोभायात्रा मेन रोड से सुजाता चौक होते हुए अति प्राचीन तपोवन मंदिर की ओर प्रस्थान करेगी।

बेड़ो में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 260 आंगनबाड़ी सेविकाओं को दिया स्मार्टफोन

PHOTON NEWS RANCHI : बेड़ो में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ो प्रखंड के बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में 260 आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन दिया। मौके पर सीडीपीओ संगीता कुजूर उपस्थित थीं। मंत्री ने कहा, सेविकाओं को लंबे समय से डिजिटल कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। यह मांग बार-बार उठती रही कि उन्हें स्मार्टफोन मुहैया कराया जाए। आज हमारी सरकार ने वह वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस विभाग की अहमियत को समझते हैं, इसलिए उन्होंने इसे अपने अधीन रखा है और इसके सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल सेविकाओं को न केवल तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी मददगार होगी।

सीडीपीओ संगीता कुजूर ने बताया कि स्मार्टफोन में पोषण ट्रैकर ऐप सहित आवश्यक विभागीय एप्स पहले से इंस्टॉल हैं, जिससे सेविकाएं पोषण, टीकाकरण, बच्चों की उपस्थिति और स्वास्थ्य संबंधी डेटा की रीयल टाइम एंट्री कर सकेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि सेविकाओं को मोबाइल एवं ऐप संचालन हेतु विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख विनीता कच्छप ने कहा, डिजिटल उपकरणों के उपयोग से सेविकाओं को योजनाओं की जानकारी, डेटा संग्रहण और रिपोर्टिंग में सुविधा होगी।

राजधानी में फैटी लीवर मुक्त अभियान की हुई शुरूआत, बोले विशेषज्ञ -

हर तीन में से एक व्यक्ति को नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर की समस्या

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची को फैटी लीवर मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर फैटी लीवर मुक्त रांची अभियान की शुरूआत हुई। अभियान में दिल्ली स्थित आईएलबीएस और सदर अस्पताल रांची का सहयोग प्राप्त हुआ। लीवर रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके शरीन ने बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य एक साल के अंदर रांची को फैटी लीवर मुक्त करना और इसे मॉडल जिला के रूप में स्थापित करना है। इसके बाद इस मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस बीमारी से लोग जूझ रहे हैं। अगर सही समय पर इसका पता लगा लिया जाए तो बीमारी को ठीक किया जा सकता है। लोगों को इसकी वजह से कई अन्य बीमारियों की चपेट में आने से रोका जा सकता है।

60 हजार लोगों की स्क्रीनिंग का रखा गया है लक्ष्य

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री विभाग को उपलब्ध कराएंगे 4 हाईटेक बसें

कार्यक्रम का उद्घाटन करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ● फोटोन न्यूज

लीवर में 10 परसेंट फैट खतरे की घंटी

आईएलबीएस की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ कनिका कौशल ने कहा कि फैटी लीवर की स्क्रीनिंग जल्दी हो जाए तो स्पेशलिस्ट के पास रेफर किया जा सकते है। हर तीसरा आदमी आज नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर की चपेट में है। सहिया दीदी और आशा दीदी प्राइमरी लेवल पर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी। इसके बाद उन्हें अपर लेवल पर रेफर किया जाएगा। वहीं ब्लड टेस्ट करने के बाद फाइब्रोस्कैन किया जाएगा। इससे मरीजों के फैटी लीवर के लेवल का पता लगाया जाएगा। लीवर में 5 परसेंट फैट होता है।

जांच : संजय सेठ ने बताया कि वह विभाग को चार हाईटेक बसें उपलब्ध कराने जा रहे हैं। पहले फेज में 2 बसें दी जाएगी। वहीं दूसरे फेज में दो बसों को उपलब्ध कराया जाएगा। इन बसों में स्क्रीनिंग के लिए सारी सुविधाएं मौजूद रहेगी। फाइब्रोस्कैन के लिए भी मशीन इन बसों में रहेगी, ताकि तत्काल सस्पेक्टेड मरीजों की जांच की जा सकेगी। इन बसों के माध्यम से लगभग 60,000 लोगों का स्क्रीनिंग करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का उद्देश्य रांची को न केवल फैटी लीवर मुक्त बनाना है, बल्कि इसे पूरे देश में एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना है।

फैटी लीवर से बीपी और डायबिटीज : लीवर स्पेशलिस्ट डॉ. शिव कुमार सरीन ने बताया कि भारत में लगभग 30 करोड़ लोग फैटी लीवर से प्रभावित हैं। यह बीमारी एल्कोहलिक और नॉन-एल्कोहलिक दोनों प्रकार की होती है। फैटी लीवर से शरीर को अधिक इंसुलिन की आवश्यकता होती है, जिससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। फैटी लीवर की रोकथाम के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर मुस्लिम समाज में बेचैनी : हसन अंसारी

RANCHI : लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। अब इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद ये कानून बन जाएगा। इससे पहले झारखंड की आजसू पार्टी के समर्थन के बाद मुस्लिम नेताओं में नाराजगी खुलकर सामने आई है। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 से देश में अफरा-तफरी का माहौल है। विशेषकर मुस्लिम समाज में एक बेचैनी है। आजसू पार्टी एनडीए फोल्डर में है। विधेयक को समर्थन देने के मामले में मुस्लिम समाज आजसू पार्टी के निर्णय से पूरी तरह से आहत है। हम पार्टी के निर्णय से पूरी तरह असहमत हैं। बैठक कर जल्द ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

पहली बार राष्ट्रीय स्तर के योगासन शिविर का समापन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नटराज योग संस्थान और रांची जिला योगासन खेल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिवसीय अवासीय योगासन शिविर का समापन शनिवार को हुआ। योगासन शिविर 20 मार्च को शुरू हुआ था। इसमें राज्य के विभिन्न जिला और क्षेत्र के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। साथ ही कचहरी चौक में नटराज योग संस्थान का शुभारंभ भी किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि के तौर पर रामानंद सागर की ओर से निर्मित रामायण सिरियरल में अंकपन की भूमिका निभाने वाले मुरारीलाल गुप्ता, डॉ ऋतुराज कुमार परियोजना अधिकारी, रिलेशन के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, रांची जिला खेल संघ के सचिव डॉ एसके घोषाल, लातेहार जिला योगासन संघ के सचिव सहित अन्य उपस्थित रहे।

BRIEF NEWS

मायुमं, सुरभि शाखा की नई टीम ने ली शपथ

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी-सुरभि शाखा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल ने शुक्रवार को अपनी पूरी टीम के साथ शपथ ग्रहण किया। नवगठित कमेटी में सचिव पायल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, उपाध्यक्ष वर्षा चौधरी, प्रियंका चौधरी, सहसचिव अनीता अग्रवाल, रीना गोयल, नेहा अग्रवाल, मेघा जैन, खुशबू कांवटिया, प्रीति अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल, नूपुर तुलस्यान, रश्मि झाझरिया, डॉ. रुचिता अग्रवाल व पूनम अग्रवाल भी शामिल हैं।

एनएच-18 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

GHATSHILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में एनएच-18 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 21 वर्षीय युवक दीपक सोरेन की मौत हो गई। यह दुर्घटना शुक्रवार की देर रात सोनाखून गांव के समीप हुई। परिजनों ने बताया कि दीपक चाकुलिया अपने रिश्तेदार के घर गया था। वापस आने के दौरान दुर्घटना हुई है। मृतक मूल रूप से पोटका थाना क्षेत्र के सानग्राम पंचायत के हेसागोड़ा गांव निवासी घनश्याम सोरेन का इकलौता पुत्र था। वह घाटशिला के काशिदा में रहकर स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। शनिवार को परिवार के लोग अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन पोटका चले गए।

झामुमो के महाधिवेशन में जिले से भाग लेंगे 150 प्रतिनिधि

CHAIBASA : झामुमो का 13वां केंद्रीय महाधिवेशन 14-15 अप्रैल को रांची के खेलगांव स्थित इंडोर स्टेडियम में होगा। इसे लेकर शनिवार को चाईबासा में जिला समिति की बैठक हुई। इसमें जिलाध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि इस महाधिवेशन में पश्चिमी सिंहभूम जिले से लगभग 150 प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक को मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक निरल पुरती व जगत माझी और आंदोलनकारी चिह्नितकरण आयोग के सदस्य भुनेश्वर महतो ने भी संबोधित किया। सभा में जिला परिषद की अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, सुभाष बनर्जी, मोनिका बोईपाई, सहसचिव विश्वनाथ बाड़ा, जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभा का संचालन जिला उपाध्यक्ष दीपक प्रधान व धन्यवाद ज्ञापन जिला सचिव राहुल आदित्य ने किया।

सीआरपीएफ व झारखंड जगुआर की कोबरा बटालियन के साथ जिला पुलिस चला रही सर्च ऑपरेशन

सारंडा में सुरक्षा बलों ने बरामद किए चार आईईडी, 16 भूमिगत बंकर किए ध्वस्त

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुरक्षा बलों द्वारा भाकपा-माओवादी नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी कड़ी में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने शनिवार को जराईकेला थाना अंतर्गत वनग्राम बाबूडेरा के पास चार शक्तिशाली आईईडी बरामद किए, जो 5-5 किलोग्राम के थे। बम निरोधक दस्ते की मदद से सभी आईईडी को वहीं नष्ट कर दिया गया।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के 16 भूमिगत बंकरों का भी पता लगाया, जिसमें लगभग 45 से 50 लोगों के ठहरने की व्यवस्था थी। इन बंकरों को भी पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया, जिससे नक्सलियों के ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है।

यहां बता दें कि पश्चिमी सिंहभूम के घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों में नक्सली संगठन भाकपा-माओवादी की विध्वंसक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षाबल विशेष संयुक्त अभियान चला रहे हैं। इस अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 26, 60, 134, 174, 193 और 197 बटालियन, झारखंड जगुआर की 203 व 209 कोबरा बटालियन और पश्चिमी सिंहभूम की जिला पुलिस संयुक्त टीम बनाकर सक्रिय है।

सारंडा-कोल्हान में सक्रिय हैं शीर्ष नक्सली नेता

भाकपा-माओवादी के शीर्ष नक्सली नेता-मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा अपने-अपने दस्तों के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं। ये सभी सुरक्षा बलों को निशाना बनाने और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में हैं।

4 मार्च से जंगलों में चल रहा विशेष अभियान

4 मार्च से छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में एक विशेष संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। यह इलाका नक्सलियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है, जहां से वे अपनी गतिविधियों का संचालन करते हैं।

अभियान में बड़ी कार्रवाई की संभावना

सुरक्षा बलों का संयुक्त अभियान अभी भी जारी है। अधिकारियों का मानना है कि नक्सलियों की गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव डालने के लिए आने वाले दिनों में और भी बड़े कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील भी की गई है, ताकि जंगलों में छिपे उग्रवादियों को समाप्त किया जा सके।

प्रखंडवार प्रतिनियुक्त किए गए वरीय दंडाधिकारी

आज निकलेगा रामनवमी जुलूस

PHOTON NEWS HAZARIBAG : जिले के विभिन्न प्रखंडों में 6 अप्रैल को रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा। उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर रामनवमी के लिए प्रखंडवार वरीय दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर पूर्व में घटित घटना के मद्देनजर रामनवमी के अवसर पर संपूर्ण जिले में विशेष सतर्कता एवं निगरानी बरतने की आवश्यकता प्रतीत होती है।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी बैजनाथ कामती को सदर, अपर समाहर्ता संतोष सिंह को बड़कागांव, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मुलिन मरांडी को केरेडारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुधीर कुमार को विष्णुगढ़, कार्यपालक दंडाधिकारी सुनीता कुमारी को दारू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंह को टाटीझरिया, भूमि सुधार उपसमाहर्ता राजकिशोर प्रसाद को डाडी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी रजत अनूप कुमार कच्छप को चुरचू प्रखंड में प्रतिनियुक्ति किया गया है।

कार्यपालक दंडाधिकारी, सदर प्रेम कुमार को ईचाक, जिला पशुपालन पदाधिकारी न्यूटन तिर्की को कटकमदाग, डीआरडीए निदेशक मां देव प्रिया को कटकमसांडी, सामाजिक सुरक्षा की सहायक निदेशक निवेदिता राय को पदमा, बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू को बरही, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी को बरकट्ठा, भूमि सुधार उपसमाहर्ता बरही अजय भगत को चौपारण एवं कार्यपालक दंडाधिकारी बरही दीपा खलखो को चलकुशा प्रखंड में प्रतिनियुक्ति किया गया है।

प्रतिनियुक्त वरीय दंडाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि रामनवमी के दौरान विधि व्यवस्था की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी संवेदनशील स्थानों की समीक्षा कर अपने-अपने आवंटित प्रखंड में सभी जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराएंगे। सभी प्रतिनियुक्ति के वरीय प्रभार में उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद रहेंगे।

हजारीबाग जिले के 7 सामुदायिक केंद्रों में लग गई लेटेस्ट एक्सरे मशीन

PHOTON NEWS HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने शनिवार को डीएमएफटी मद से हजारीबाग जिला अंतर्गत कुल 7 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय जांच के लिए लेटेस्ट एक्सरे मशीन उपलब्ध करा दी है। बिष्णुगढ़, कटकमसांडी, ईचाक, बड़कागांव, चौपारण, बरकट्ठा एवं चरही के सामुदायिक केंद्रों में एक्सरे मशीन उपलब्ध कराई गई है। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि यह पोर्टेबल एक्सरे मशीन है, जिसमें लेटेस्ट स्पेसिफिकेशन है। अब प्रखंड स्तर पर ही लोग एक्सरे करा सकते हैं। यह एक बहुत ही नॉर्मल डिवाइस है, जो दो सेकेंड में ही डिजिटल पिक्चर क्रिएट कर देती है। इस एक्सरे मशीन से हमारे डॉक्टर, एक्सरे टेक्निशियंस को काम करने में बहुत आसानी होगी। टीबी के मरीजों का भी एक्सरे करने में आसानी होगी। एक्सरे की कमी की वजह से पहले प्रखंड स्तर पर गांव के मरीजों का एक्सरे कराने में काफी परेशानी होती थी। इस मौके पर उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, डीपीओ पंकज तिवारी, सीएस सरयू प्रसाद, डीपीआरओ रोहित कुमार सहित कई चिकित्सक एवं मेडिकल स्टाफ भी उपस्थित थे।

विधायक सुखराम उरांव ने पत्नी संग की शनि देव की पूजा

CHAKRADHARPUR : विधायक सुखराम उरांव ने शनिवार को अपने गांव बनमालीपुर में पत्नी नवमी उरांव के साथ शनि देव की पूजा की। सुबह में पं. सूर्यमणि कर और पं. गिरधारी दास ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। दोपहर में विधायक समेत पूरे परिवार ने हवन कुंड में आहुति डाली। तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। ज्ञात हो कि विधायक सुखराम उरांव प्रतिवर्ष परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति के लिए शनि महाराज की पूजा करते हैं।

रामनवमी में पेश-ए-इमाम व मस्जिद कमेटियों से प्रशासन ने मांगा सहयोग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : रामनवमी विसर्जन जुलूस के दौरान बेहतर विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर शनिवार को समाहरणालय में पेश-ए-इमाम तथा मस्जिदों के अध्यक्ष व महासचिव के साथ बैठक की गई। एडीएम अनिकेत सचान की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपस्थित सदस्यों से विधि-व्यवस्था बनाए रखने में अपने स्तर से भी सहयोग करने की अपील की गई। एडीएम ने कहा कि आप सभी की बातों का व्यापक असर होता है, ऐसे में मस्जिदों में नमाज के समय भी जिला प्रशासन की भावनाओं से सभी आयु वर्ग के लोगों को अवगत कराएं एवं सौहार्दपूर्ण एवं शांति के वातावरण में त्योहार मनाए जाने में अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। एडीएम ने कहा कि एक दूसरों की भावनाओं का सम्मान करते हुए त्योहार मनाएं, रामनवमी विसर्जन जुलूस के दौरान सड़क या धार्मिक स्थलों के पास अड्डाबाजी न हो, इसे सभी प्रबुद्ध लोग अपने स्तर से सुनिश्चित करें। युवा वर्ग से अपील की कि शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, ऐसी कोई उद्दंडता नहीं करें कि कानूनी प्रक्रिया अपनानी पड़े।

वार्ता विफल होने के बाद हरकत में आया प्रशासन

एनएच व प्लांट का गेट खाली विधायक श्वेता सिंह हिरासत में

PHOTON NEWS BOKARO : शुक्रवार की शाम वार्ता विफल होने के बाद जिला प्रशासन एक्शन में आया। अधिकारियों ने रात 10 बजे एनएच पर आवागमन शुरू कराया। बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य द्वार पर जाम का नेतृत्व कर रहीं बोकारो विधायक श्वेता सिंह व उनके कई समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। फिर बोकारो इस्पात संयंत्र के सभी गेट को खाली कराया गया। इधर, प्लांट में फंसे कई मजदूरों ने पीएम मोदी व गृहमंत्री को ट्वीट कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। डीसी विजया जाधव व पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने जिलेवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। इसके साथ ही कहा कि विधि-व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरला थाना क्षेत्र में हिंसक झड़प में छह से अधिक घायल

बंद समर्थकों व झोपड़पट्टी में रहने वालों के बीच हुई झड़प में छह से अधिक युवक घायल हो गए। बंद समर्थकों ने झोपड़ियों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया था।

टाटा-हटिया व टाटा-बरकाकाना समेत कई ट्रेनें आज रहेंगी रद्द

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटानगर रेलवे स्टेशन से चलने वाली कई ट्रेनें विकास कार्यों के कारण अलग-अलग तिथियों पर रद्द की गई हैं। इसमें टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस, झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम एक्सप्रेस, टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस को रविवार को रद्द किया गया है। इसके साथ ही ये ट्रेन आगामी 3 रविवार को भी रद्द रहेंगे। वहीं, टाटा-आसनसोल-टाटा मेमू और टाटा-धनबाद-टाटा सुवर्णरेखा एक्सप्रेस, आसनसोल-टाटा -आसनसोल मेमू को पुरुलिया में शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। इस संबंध में रेलवे ने सर्कुलर जारी कर दिया है।

ये ट्रेनें हुई कैंसिल

- टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस- 6,13, 20, 27 अप्रैल
- टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस- 6, 13, 20, 27 अप्रैल
- झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम एक्सप्रेस- 10, 17, 24 अप्रैल और 1 मई

ये रहेंगी शॉर्ट टर्मिनेट

- आसनसोल-टाटा-आसनसोल मेमू 6,13, 20 और 27 अप्रैल को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी
- धनबाद-टाटा-धनबाद एक्सप्रेस- 10,17, 24 अप्रैल और 1 मई को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी
- आसनसोल-टाटा-आसनसोल मेमू- 10, 17, 24 अप्रैल और 1 मई को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

रामनवमी को लेकर लातेहार के सभी प्रखंडों में किया गया फ्लैग मार्च

PHOTON NEWS LATEHAR : रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए उपायुक्त के निदेशानुसार जिला अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रशासनिक पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल के जवानों ने फ्लैग मार्च किया गया।

इस दौरान आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ रामनवमी का त्योहार मनाने की अपील की गई। रामनवमी के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी चौक-चौराहों और जुलूस में पुलिस सक्रिय रहेगी। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिक सुविधाओं की बेहतरी का ध्यान रखेगी। लोग संयमित और अनुशासित तरीके से त्योहार मनाएं। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखेगा। सावधानी से सोशल मीडिया का उपयोग करें। किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। तय रूट से ही जुलूस निकालें। ड्रोन कैमरे और वीडियोग्राफी से असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाएगी। आपसी सौहार्द और त्योहार में शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मातृत्व सेवा संकल्प यात्रा के तहत मैसूर से देश भ्रमण कराने निकला बेटा

मां को स्कूटर से करा चुका 95212 किलोमीटर की यात्रा

PHOTON NEWS GHATSHILA : कर्नाटक के मैसूर निवासी डॉ. कृष्णामूर्ति कृष्ण कुमार अपनी मां को 20 साल पुराने स्कूटर पर पूरे देश की यात्रा कराते हुए शुक्रवार को घाटशिला पहुंचे। शुक्रवार की रात घाटशिला के रामकृष्ण मठ में रुकेंगे। शनिवार को फिर यात्रा पर निकल जाएंगे। डॉ. कुमार ने बताया कि 5 वर्ष पहले पिता का निधन हो गया था। इसके बाद वे 16 जनवरी 2018 में पुराना स्कूटर लेकर मां चूडारलम्मा को स्कूटर से ही यात्रा कराने के लिए निकले थे, जो अभी जारी है। डॉ. कुमार ने बताया कि अब वे झारखंड होते हुए छत्तीसगढ़, फिर आंध्र प्रदेश जाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी, गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, कन्याकुमारी सहित कई राज्यों की यात्रा कर चुके हैं। नेपाल, भूटान, म्यांमार देश भी जा चुके हैं। अब तक स्कूटर से करीब 95 हजार 212 किलोमीटर की यात्रा हो चुकी है। डॉ. कुमार ने बताया कि मातृत्व सेवा संकल्प यात्रा के तहत यह यात्रा चल रही है।

डॉ. कृष्णामूर्ति कृष्ण कुमार अपनी मां के साथ • फोटोन न्यूज

- मैसूर निवासी डॉ. कृष्णामूर्ति कृष्ण कुमार अपनी मां को 20 साल पुराने स्कूटर पर पूरे देश की यात्रा कराते हुए शुक्रवार को घाटशिला पहुंचे

95 हजार किलोमीटर की यात्रा में कभी नहीं खाया होटल में

डॉ. कुमार ने कहा कि अभी तक कहीं भी होटल में खाना नहीं खाया हैं। हर जगह देश के मंदिर और मठ में रहने और खाने की व्यवस्था हो जाती है। सभी जगह अतिथि देवो भव के तहत सेवा सत्कार मिलता है। हमारा धर्म श्रेष्ठ है। इस धर्म के तहत हमें जो आदर सत्कार मिलता है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

माता-पिता की करें सेवा

उन्होंने कहा कि माता-पिता का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता, लेकिन हमेशा माता-पिता का ऋण चुकाने के लिए प्रयास अवश्य करना चाहिए। जब माता-पिता जीवित रहते हैं, उसी समय उनका ऋण चुकाने का प्रयास करना चाहिए, न कि उनकी मृत्यु के बाद। मैं सभी से कहना चाहता हूं। जीवित माता-पिता की सेवा करें और उन्हें कोई कष्ट न होने दें। माता-पिता काफी कष्ट करके बच्चों को बड़ा करते हैं।

चर्म रोग विभाग के कर्मी पर लगा नर्स से छेड़खानी का आरोप

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का मामला

PHOTON NEWS DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चर्म रोग विभाग के सरकारी कर्मी पर एक नर्स (आउटसोर्सिंगकर्मी) ने छेड़खानी का आरोप लगाया है। नर्स ने अपने माता-पिता को भी मामले की जानकारी दी है। अभिभावकों ने इसकी शिकायत अस्पताल प्रबंधन से की है। बताया जा रहा है कि नर्स की नौकरी 3 माह पूर्व ही लगी है। उसने अभिभावकों को बताया कि कर्मी उस पर गलत नजर रख रहा है। इधर, शिकायत मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन रेस हो गया। मामले की जानकारी ली जा रही है। नर्स जामताड़ा की रहने वाली है। इधर वरीय अस्पताल प्रबंधक डॉ. सीएस सुमन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

पहले भी चर्म रोग विभाग में डॉक्टर के हुई थी घटना : चर्म रोग विभाग में 2 वर्ष पहले यहां की जूनियर डॉक्टर ने अपने सीनियर डॉक्टर पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। इस मामले में काफी बवाल हुआ था। इसके लिए जांच कमेटी भी बनी थी। बाद में किसी तरह मामले को शांत कराया गया था। एक बार फिर से छेड़खानी की घटना आने के बाद विभाग चर्चा में आ गया है।

हाटगम्हारिया में महावीरी झंडा उतारने पर हुआ बवाल

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हारिया में शनिवार को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा महावीरी झंडा उतार दिया गया, जिसके बाद बाजार में बवाल हो गया। उपद्रवी तत्वों ने चाय की दुकान से झंडा नहीं उतारने पर दुकानदार से मारपीट भी की, जिससे माहौल गरमा गया। इस घटना के बाद सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर घटना का विरोध जताया। हालांकि, पुलिस ने मामले को फिलहाल शांत करा दिया है, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस फ्लैगमार्च कर रही है। यहां बता दें कि पिछले साल भी यहां रामनवमी को लेकर तनाव का माहौल बन गया था।

रामनवमी पूजा की एकदम सरल विधि

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रामनवमी मनाई जाती है जो कि भगवान विष्णु के 7वें अवतार थे। प्रत्येक साल हिन्दू कैलेडर के अनुसार चैत्र मास की नवमी तिथि को श्रीराम नवमी के रूप मनाया जाता है। चैत्र मास की प्रतिपदा से लेकर नवमी तक नवरात्रि भी मनाई जाती है। इन दिनों कई लोग उपवास भी रखते हैं।

रामनवमी उत्सव

श्री रामनवमी हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहारों में से एक है जो देश-दुनिया में सच्ची श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार वैष्णव समुदाय में विशेषतौर पर मनाया जाता है।

- आज के दिन भक्तगण रामायण का पाठ करते हैं।
- रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं।
- कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है।
- भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित करते हैं।
- भगवान राम की मूर्ति को पालने में झुलाते हैं।

राम नवमी की पूजा विधि

राम नवमी की पूजा विधि कुछ इस प्रकार है :

- सबसे पहले स्नान करके पवित्र होकर पूजा स्थल पर पूजन सामग्री के साथ बैठें।
- पूजा में तुलसी पत्ता और कमल का फूल अवश्य होना चाहिए।
- उसके बाद श्रीराम नवमी की पूजा षोडशोपचार करें।
- खीर और फल-मूल को प्रसाद के रूप में तैयार करें।
- पूजा के बाद घर की सबसे छोटी बालिका/महिला सभी लोगों के माथे पर तिलक लगाएं।

पौराणिक मान्यता

श्री रामनवमी की कहानी लंकाधिराज रावण से शुरू होती है। रावण अपने राज्यकाल में बहुत अत्याचार करता था। उसके अत्याचार से पूरी जनता त्रस्त थी, देवतागण भी, क्योंकि रावण ने ब्रह्मा जी से अमर होने का वरदान ले लिया था। उसके अत्याचार से तंग होकर देवतागण भगवान विष्णु के पास गए और प्रार्थना करने लगे। फलस्वरूप प्रतापी राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान विष्णु ने राम के रूप में रावण को परास्त करने हेतु जन्म लिया। तब से चैत्र की नवमी तिथि को रामनवमी के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। नवमी के दिन ही स्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना शुरू की थी।

भगवान श्रीराम के इन गुणों से हमें भी सीखना चाहिए

भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खासतौर पर उनके द्वारा अपनाई गई व्यावहारिक नीतियां, यहीं कारण था कि कठिन परिस्थितियों में भी वे सफल रहे। भगवान श्रीराम के स्वभाव के इन 11 गुणों से सीखना चाहिए .

- सभी से हंसते-मुस्कुराते मिलना।
- लोगों के नामों को याद रखना और उन्हें, उन्हीं नाम से संबोधित करना।
- दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना।
- लोगों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना।
- दूसरे व्यक्तियों को सम्मान देना।
- किसी को अपने विचार मनवाने के लिए तर्क और विवाद का सहारा नहीं लेना।
- उच्च आदर्श व सिद्धांत का पालन करने में हर कठिनाई को सहन करने के लिए तैयार रहना।
- दूसरे के विचारों और भावनाओं के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना।
- दूसरे की दृष्टि से घटनाओं या वस्तुओं को देखने का प्रयास करना।
- अपनी त्रुटि (गलती) को शीघ्र स्वीकार कर लेना।
- दूसरे व्यक्तियों के विचारों के प्रति आदर की भावना होना।

श्री राम के चरण कमल पर शीश
झुकाएं जीवन में हर खुशियां पाएं.
राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

श्रीराम जन्मोत्सव, पर जानें पूजन के मुहूर्त, महत्व

इस बार वर्ष 2025 में रामनवमी 6 अप्रैल, रविवार को मनाई जाएगी।

इस दिन सुबह 11 बजकर 8 मिनट से दोपहर 1 बजकर 39 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त रहेगा।

इस शुभ समय में भगवान श्रीराम की पूजा की जा सकती है।

रामनवमी का महत्व- धार्मिक ग्रंथों के अनुसार रामनवमी के दिन भगवान राम का जन्म हुआ था, जो विष्णु के सातवें अवतार थे। भगवान राम का जन्म दोपहर के समय हुआ था, इसलिए राम नवमी पूजा तथा अनुष्ठान के लिए दोपहर का समय सबसे शुभ माना जाता है। रामनवमी का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रामनवमी का त्योहार भगवान राम के आदर्शों और मूल्यों को याद दिलाता है।आज के दिन भगवान राम के मंदिर में जाएं, रामायण का पाठ करें। अधिक से अधिक भगवान राम के मंत्रों का जाप करें। गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें। इस दिन तामसिक भोजन का सेवन न करें और ना ही किसी भी प्रकार के नशा करें। मान्यतानुसार भगवान राम की कृपा प्राप्त करने और अपने जीवन को सुखमय बनाने का रामनवमी एक उत्तम अवसर है।

श्री राम चालीसा

हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम विष्णु के दशावतारों में से 7वें अवतार हैं। श्रीराम एक आदर्श पुरुष थे। राम नवमी के दिन उनका पूजन, मंत्र, स्तुति, चालीसा, आरती, रामाष्टक आदि का पाठ करने से मनुष्य जीवन के भवसागर से पार पा जाते हैं, अतः हर मनुष्य को प्रतिदिन श्री राम की स्तुति करते हुए यह पाठ अवश्य करना चाहिए। अगर आप प्रतिदिन नहीं कर पा रहे हैं तो राम नवमी के दिन अवश्य ही पढ़ना चाहिए।

चौपाई

श्री रघुवीर भक्त हितकारी। सुन लीजै प्रभु अरज हमारी।।
निशिदिन ध्यान धरै जो कोई। ता सम भक्त और नहिं होई।।
ध्यान धरे शिवजी मन माहीं। ब्रह्म इन्द्र पार नहिं पाहीं।।
दूत तुम्हार वीर हनुमाना। जासु प्रभाव तिहूं पुर जाना।।
तब भुज दण्ड प्रचण्ड कृपाला। रावण मारि सुरन प्रतिपाला।।
तुम अनाथ के नाथ गुंसाई। दीनन के हो सदा सहाई।।
ब्रह्मादिक तव पारन पावैं। सदा ईश तुम्हरो यश गावैं।।
चारिउ वेद भरत हैं साखी। तुम भक्तन की लज्जा राखीं।।
गुण गावत शारद मन माहीं। सुरपति ताको पार न पाहीं।।
नाम तुम्हार लेत जो कोई। ता सम धन्य और नहिं होई।।
राम नाम है अपरम्पारा। चारिहु वेदन जाहि पुकारा।।
गणपति नाम तुम्हारो लीन्हो। तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हो।।
शेष रटत नित नाम तुम्हारा। महि को भार शीश पर धारा।।
फूल समान रहत सो भारा। पाव न कोऊ तुम्हरो पारा।।
भरत नाम तुम्हरो उर धारो। तासों कबहुं न रण में हारो।।
नाम शक्षुहन हृदय प्रकाशा। सुमिरत होत शत्रु कर नाशा।।
लखन तुम्हारे आज्ञाकारी। सदा करत सन्तन रखवारी।।
ताते रण जीते नहिं कोई। युद्ध जुरे यमहूं किन होई।।
महालक्ष्मी धर अवतारा। सब विधि करत पाप को छारा।।
सीता राम पुनीता गायो। भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो।।
घट सों प्रकट भई सो आई। जाको देखत चन्द्र लजाई।।
सो तुमरे नित पांव पलोटत। नवो निद्धि चरणन में लोटत।।
सिद्धि अठारह मंगलकारी। सो तुम पर जावै बलिहारी।।
औरहु जो अनेक प्रभुताई। सो सीतापति तुमहिं बनाई।।
इच्छा ते कोटिन संसारा। रचत न लागत पल की बारा।।
जो तुम्हे चरणन चित लावै। ताकी मुक्ति अवसि हो जावै।।
जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा। निर्गुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा।।
सत्य सत्य जय सत्यव्रत स्वामी। सत्य सनातन अन्तर्यामी।।
सत्य भजन तुम्हरो जो गावै। सो निश्चय चारों फल पावै।।
सत्य शपथ गौरीपति कीन्हीं। तुमने भक्तिहिं सब विधि दीन्हीं।।
सुनहु राम तुम तात हमारे। तुमहिं भरत कुल पूज्य प्रचारे।।
तुमहिं देव कुल देव हमारे। तुम गुरु देव प्राण के प्यारे।।
जो कुछ हो सो तुम ही राजा। जय जय जय प्रभु राखो लाजा।।
राम आत्मा पोषण हारे। जय जय दशरथ राज दुलारे।।
ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा। नमो नमो जय जगपति भूपा।।
धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा। नाम तुम्हार हरत संतापा।।
सत्य शुद्ध देवन मुख गाया। बजी दुन्दुभी शंख बजाया।।
सत्य सत्य तुम सत्य सनातन। तुम ही हो हमरे तन मन धन।।
याको पाठ करे जो कोई। ज्ञान प्रकट ताके उर होई।।
आवागमन मिटै तिहि केरा। सत्य वचन माने शिर मेरा।।
और आस मन में जो होई। मनवांछित फल पावे सोई।।
तीनहुं काल ध्यान जो ल्यावै। तुलसी दल अरु फूल चढ़ावै।।
साग पत्र सो भोग लगावै। सो नर सकल सिद्धता पावै।।
अन्त समय रघुबरपुर जाई। जहां जन्म हरि भक्त कहाई।।
श्री हरिदास कहै अरु गावै। सो बैकुण्ठ धाम को पावै।।

दोहा

सात दिवस जो नेम कर, पाठ करे चित लाय।
हरिदास हरि कृपा से, अवसि भक्ति को पाय।।
राम चालीसा जो पढ़े, राम चरण चित लाय।
जो इच्छा मन में करै, सकल सिद्ध हो जाय।।
।।इतिश्री प्रभु श्रीराम चालीसा समाप्तः।।

श्री राम को प्रसन्न करेंगे तो मिलेंगे विजय और उन्नति के शुभ आशीष

10 अप्रैल को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें सरल उपायों से प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते है जिससे हर क्षेत्र में विजय और उन्नति मिलेगी।

- रामनवमी के दिन 1 कटोरी में गंगा जल लेकर राम रक्षा मंत्र 'ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्रीं नमः' का 108 बार जाप करें। फिर पूरे घर के कोने-कोने में उस जल का छिड़काव कर दें। इससे घर का वास्तुदोष तथा भूत-प्रेत, नजर बाधा, तंत्र बाधा आदि समाप्त हो जाते हैं। यह उपाय आप अपने ऑफिस-दुकान या व्यवसाय स्थल में भी कर सकते हैं।
- राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के मंदिर में या उनके चित्र के सामने 3 बार अलग-अलग समय पर श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन,का पाठ करें, इससे जीवन की हर चीजें अनुकूल होने लगती है।
- रामनवमी पर भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। माता दुर्गा और श्रीराम को भोग लगाने के बाद ही भोजन किया जाता है। इससे प्रभु श्रीराम प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
- भगवान श्रीरामजी को केसर भात, खीर, कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग प्रिय है। इसके अलावा हलुआ, पूरनपोळी, लड्डू और सिवइयां भी उनको पसंद हैं।
- पंचामृत और धनिया पंजीरी दो तरह के प्रसाद उन्हें अर्पित किए जाते हैं। यह रामजी को बहुत ही पसंद है। उन्हें धनिए का प्रसाद चढ़ाते हैं। इसे धनिया पंजीरी कहते हैं। इसे सौंठ पंजीरी भी कहते हैं। यह कई तरह से बनाई जाती है।

राम नवमी
क्यों मनाया जाता है यह दिन

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रुप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

श्री राम का जन्म

पौराणिक ग्रंथों में जो कथाएं हैं उनके अनुसार भगवान राम त्रेता युग में अवतरित हुए। उनके जन्म का एकमात्र उद्देश्य मानव मात्र का कल्याण करना, मानव समाज के लिए एक आदर्श पुरुष की मिसाल पेश करना और अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करना था। यहां धर्म का अर्थ किसी विशेष धर्म के लिए नहीं बल्कि एक आदर्श कल्याणकारी समाज की स्थापना से है।

राजा दशरथ जिनका प्रताप 10 दिशाओं में व्याप्त रहा। उन्होंने तीन विवाह किए थे लेकिन किसी भी रानी से उन्हें पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। ऋषि मुनियों से जब इस बारे में विमर्श किया तो उन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने की सलाह दी। पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने के पश्चात यज्ञ से जो खीर प्राप्त हुई उसे राजा दशरथ ने अपनी प्रिय पत्नी कौशल्या को दे दिया।

कौशल्या ने उसमें से आधा हिस्सा केकैयी को दिया इसके पश्चात कौशल्या और केकैयी ने अपने हिस्से से आधा-आधा हिस्सा तीसरी पत्नी सुमित्रा को दे दिया। इसीलिए चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में माता कौशल्या की कोख से भगवान श्री राम जन्मे। केकैयी से भरत ने जन्म लिया तो सुमित्रा ने लक्ष्मण व शत्रुघ्न को जन्म दिया।

कैसे मनाते हैं रामनवमी

भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है। वे स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण हैं जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं। वे समाज में व्याप्त ऊंच-नीच को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का और केवट की नाव चढ़ने का उदाहरण इसे समझने के लिए सर्वोत्तम है। वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले, विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले पराक्रमी भगवान श्री राम का जन्मोत्सव देश भर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम की भक्ति में डूबकर भजन कीर्तन किए जाते हैं। श्री रामकथा सुनी जाती है। रामचरित मानस का पाठ करवाया जाता है। श्री राम स्त्रोत का पाठ किया जाता है। कई जगहों भर भगवान श्री राम की प्रतिमा को झूले में भी झुलाया जाता है। रामनवमी को उपवास भी रखा जाता है। मान्यता है कि रामनवमी का उपवास रखने से सुख समृद्धि आती है और पाप नष्ट होते हैं।

जब प्रभु श्रीराम ने दिया भक्त हनुमान को वरदान

लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में अपने परिजनों के साथ बैठे हुए थे। श्रीराम, हनुमानजी द्वारा की गई सहायता को याद कर भावविभोर हो रहे थे। वह बोले, ' हनुमान ने संकट के समय मेरी सहायता की, लेकिन मैंने उन्हें कुछ भी नहीं दिया।' उन्होंने हनुमानजी से कहा, मैंने विभीषण को लंका का राज्य दिया। सुग्रीव को किष्किंधा का राजा और अंगद को युवराज बनाया। आज मैं तुम्हें भी कुछ देना चाहता हूं। इसलिए तुम इच्छित वर मांग सकते हो। हनुमानजी निष्काम भक्ति के साकार रूप थे। उन्होंने श्रीराम से विनम्रता से कहा, प्रभु आप मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। मुझ पर आपकी असीम कृपा है। अब और मांगकर क्या करूंगा। लेकिन श्रीराम हनुमानजी को उस दिन कुछ न कुछ देने के लिए आकांक्षी थे। अचानक हनुमानजी ने कहा कि, भगवान आपने सभी को एक-एक पद (चरण) दिए हैं। क्या आप मुझे भी पद दे सकेंगे। श्रीराम कुछ समझ नहीं पाए, फिर भी बोले तुम्हें कौन सा पद चाहिए हनुमान?

हनुमानजी अपने स्थान से उठे और उन्होंने प्रभु राम के चरण पकड़ लिए। हनुमानजी बोले, मैं इन दो पदों की हर क्षण सेवा करता रहूं, यही वरदान चाहिए। श्रीराम की आंखों से अश्रु बहने लगे और उन्होंने श्री हनुमान जी को को गले लगा कर यह वरदान दिया कि जीवन भर उनकी सेवा करते रहें।

श्रीराम की आराधना करें शिव के साथ

'भगवान शिव' राम के इष्ट एवं 'राम' शिव के इष्ट हैं। ऐसा संयोग इतिहास में नहीं मिलता कि उपास्य और उपासक में परस्पर इष्ट भाव हो इसी स्थिति को संतजन 'परस्पर देवोभव' का नाम देते हैं। शिव का प्रिय मंत्र 'ऊ नमः शिवाय' एवं 'श्रीराम जय राम जय जय राम' मंत्र का उच्चारण कर शिव को जल चढ़ाने से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। भगवान राम ने स्वयं कहा है : 'शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा।' अर्थात जो शिव का द्रोह कर के मुझे प्राप्त करना चाहता है वह सपने में भी मुझे प्राप्त नहीं कर सकता। इसीलिए शिव आराधना के साथ श्रीरामचरितमानस पाठ का बहुत महत्वपूर्ण होता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम 14 वर्ष के वनवास काल के बीच जब जाबालि ऋषि की तपोभूमि मिलने आए तब भगवान गुप्त प्रवास पर नर्मदा तट पर आए। उस समय यह पर्वतों से घिरा था। रास्ते में भगवान शंकर भी उनसे मिलने आतुर थे, लेकिन भगवान और भक्त के बीच वे नहीं आ रहे थे। भगवान राम के पैरों को कंकर न चुभें इसीलिए शंकरजी ने छोटे-छोटे कंकरों को गोलाकार कर दिया। इसलिए कंकर-कंकर में शंकर बोला जाता है। जब प्रभु श्रीराम रेवा तट पर पहुंचे तो गुफा से नर्मदा जल बह रहा था। श्रीराम यहीं रुके और बालू एकत्र कर एक माह तक उस बालू का नर्मदा जल से अभिषेक करने लगे। आखिरी दिन शंकरजी वहां स्वयं विराजित हो गए और भगवान राम-शंकर का मिलन हुआ। शिवप्रिय मैकल सैल सुता सी, सकल सिद्धि सुख संपति राशि, रामचरित मानस की ये पंक्तियां श्रीराम और शिव के चरण पड़ने की साक्षी है।

श्रीराम के प्रकृति-प्रेम की सकारात्मक ऊर्जा

ललित गर्ग

यदि हम रामराज्य के अभिलाषी हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी की अवधारणा के अनुरूप शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करना ही होगा। ऐसा कोई भी कार्य हमें प्रत्येक दशा में बन्द करना होगा जो वायु एवं जल को प्रदूषित करता हो चाहे उससे कितना भी भौतिक लाभ मिलता हो। पर्यावरण प्रदूषण का मूल कारण है हमारी भौतिक लिप्सा। धरती मानव की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्षम है।

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से निकलकर मन्दिर में स्थापित हुए। भारत के जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलने लगी है, भारत ने एक नये युग में प्रवेश किया। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति को श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा, स्वयं को श्रीराममय एवं प्रकृतिमय बनाना होगा, तभी प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी मनाना सार्थक होगा। श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है। भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मयार्दा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहाड़ को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी

स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा।

आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसी की रक्षा करेगा। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। जो बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर है, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

आज इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरण प्रदूषण के रूप में मानव जाति के अस्तित्त्व को ही चुनौती प्रस्तुत कर दी है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो एक्टिव प्रदूषण, ओजोन परत में छिद्र, अम्लीय वर्षा इत्यादि का अत्यन्त विनाशकारी स्वरूप बृद्धिजीवी, विवेकशील, वैज्ञानिकों की चिन्ता का कारण बन चुके हैं। मानव समाज किस समय कौन सी समस्या से ग्रस्त होता है और उसके निदान के लिए समाज के सदस्यों की भूमिका एवं सहभगिता एवं शासकीय प्रयासों की तुलना में अधिक उस समाज के सांस्कृतिक मूल्य अधिक प्रभावी होते हैं। इस संदर्भ में भारतीय संस्कृति के आधार पुरातन ग्रन्थ-वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण के साथ- तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस का अध्ययन व विश्लेषण अत्यन्त लाभप्रद हो सकता है विशेषकर रामचरित मानस का क्योंकि वर्तमान समय में घर-घर में न केवल रामचरितमानस एक पवित्र ग्रन्थ के रूप में पूजा जाता है। वरन इसका पाठ पारिवारिक व सामाजिक स्तर पर किया जाता है।

यदि हम रामराज्य के अभिलाषी हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी की अवधारणा के अनुरूप शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करना ही होगा। ऐसा कोई भी कार्य हमें प्रत्येक दशा में बन्द करना होगा जो वायु एवं जल को प्रदूषित करता हो चाहे उससे कितना भी भौतिक लाभ मिलता हो। पर्यावरण प्रदूषण का मूल कारण है हमारी भौतिक लिप्सा। धरती मानव की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्षम है। हम यह भी नहीं सोच पा रहे हैं कि असीमित विदोहन जारी रहने से मानव की आने वाली सन्तति का भविष्य क्या होगा? आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। आप ही बताइये कि कहां खो गया वह आदमी जो स्वयं को कटवाकर भी वृक्षों को कटने से रोकता था? गोचरभूमि का एक टुकड़ा भी किसी को हथियाने नहीं देता था। जिसके लिये जल की एक बूंद भी जीवन जितनी कीमती थी। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। जब मनुष्य पृथ्वी का संरक्षण नहीं कर पा रहा तो पृथ्वी भी अपना गुस्सा कई प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखा रही है। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। निश्चित ही इन सभी समस्याओं का समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम में मिलता है, श्रीराम के मन्दिर का उद्घाटन निश्चित ही रामराज्य की स्थापना की ओर अग्रसर होने का दुर्लभ अवसर है, इस अवसर पर हमें श्रीराम के प्रकृति-संरक्षण की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए देश ही नहीं, दुनिया की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं सृष्टि-असंतुलन की समस्याओं से मुक्ति पानी चाहिए, यही सच्चे अर्थों में रामनवमी मनाने का सार्थक सन्देश होगा।

संपादकीय

पसमांदा के हित में

उम्मीद विधेयक राज्य सभा से भी पारित हो गया और अब इसके विधिवत कानून बनने में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की औपचारिकता भर रह गई है। इस पर करीब 13 घंटे की लंबी बहस राज्य सभा में भी हुई। सरकारी पक्ष ने अपने उन्हीं तकरे को और अधिक वजनदारी के साथ आगे बढ़ाया जो उसने लोक सभा में रखे थे। यहां उम्मीद थी कि विपक्ष के खामियों का समुचित जवाब देंगे जो खामियां इस विधेयक को लाने का कारण बनी, लेकिन मुस्लिम वक्ताओं के साथ-साथ विपक्षी वक्ता भी इसे असंवैधानिक बताते रहे। यानी वे मुसलमान के इसी तर्क की पुष्टि करते रहे कि वक्फ बोर्ड अल्लाह के लिए है, इस्लामी कानून के तहत है, शरीयत की विधियों से संचालित है। इसलिए इसमें दुनियावी दखलअंदाजी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इस बहस ने कथित धर्मनिरपेक्षता का वह चेहरा फिर से उजागर कर दिया कि इस्लामी विधियों और प्रावधानों के साथ खड़े होना, भले ही वह आधुनिक युग में कितने भी निर्थक क्यों ना हो गई हो, धर्मनिरपेक्षता है। यह धर्मनिरपेक्षता अंततः उन्हें कहां ले जाएगी यह तो भविष्य बताएगा, लेकिन हाल-फिलहाल इसकी बुरी तरह पराजय हुई है। विपक्ष अगर सचमुच इस मामले में अपनी साख बचाना चाहता है तो उसे यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि वक्फ कानून नये संशोधनों के साथ अस्तित्व में आ गया है। अब उसको ध्यान इस पर केंद्रित करना चाहिए कि इस नये कानून के आलोक में वक्फ बोर्ड भू-माफियाओं और निजी लाभ को पाने वाले स्वार्थी समूह की गिरफ्त से बाहर आए और उसका लाभ मुसलमान तक पहुंचे जो उसके वास्तविक हकदार हैं। विपक्ष को मुल्ला, मौलानाओं और मुसलमान की राजनीति करने वाले राजनेताओं का मोह त्याग कर पसमांदा और सबसे निचली पायदान पर खड़े मुसलमानों के हित की वास्तविक लड़ाई लड़नी चाहिए। ध्यान रखना चाहिए कि मुस्लिम राजनीति गरीब मुसलमानों की आंख पर पट्टी बांधकर उनका दोहन, शोषण करती रही है और उन्हें अपने राजनीतिक हितों का मोहरा बनती रही है। इन मुसलमानों को कट्टरपंथी और स्वार्थी समूहों के चंगुल से बाहर निकलना समय की मांग है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विपक्ष इस मांग को सुनेगा और अपनी मौजूदा नीति से बाहर निकाल कर निम्नवर्गीय मुसलमानों के हित में संघर्ष करेगा।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

भाजपा स्थापना दिवसः ध्येनिष्ठ कार्यकताओं की शक्ति भाजपा

हेमेन्द्र क्षीरसागर

देश को एक समर्थ राष्ट्र बनाने की मीमांसा के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में की गई। जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में भाजपा नीत राजग शासन के दौरान रखी।

भारतीय जनसंघ

गांधीजी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाकर देश में एक नया राजनीतिक षड्यंत्र रचा जाने लगा। सरदार पटेल के देहावसान के पश्चात कांग्रेस में नेहरू का अधिनायकवाद प्रबल होने लगा। गांधी और पटेल दोनों के ही नहीं रहने के कारण कांग्रेस नेहरूवाद की चपेट में आ गई तथा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस- परमिट- कोटा राज, राष्ट्रीय सुरक्षा पर लापरवाही, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक विषय देश में राष्ट्रवादी नागरिकों को उद्विग्न करने लगे। नेहरूवाद तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर भारत के चुप रहने से क्षुब्ध होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरु मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इधर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ स्वयंसेवकों ने भी प्रतिबंध के दंश को झेलते हुए महसूस किया कि संघ के राजनीतिक क्षेत्र से सिद्धांततः दूरी बनाये रखने के कारण वे अलग-थलग तो पड़े ही, साथ ही संघ को राजनीतिक तौर पर निशाना बनाया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की आवश्यकता देश में महसूस की जाने लगी। फलतः भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर, 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में हुई। नेहरू के अधिनायकवादी रवैये के फलस्वरूप डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कश्मीर की जेल में डाल दिया गया, जहां उनकी रहस्यपूर्ण स्थिति में मृत्यु हो गई। एक नई पार्टी को सशक्त बनाने का कार्य पं दीनदयाल उपाध्याय के कंधों पर आ गया। भारत-चीन युद्ध में भी भारतीय जनसंघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1967 में पहली बार भारतीय जनसंघ का पं दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय राजनीति पर लम्बे समय से बरकरार कांग्रेस का एकाधिकार टूटा, जिससे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की पराजय हुई।

जनता पार्टी में विलय

सत्तर के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में निरंकुश होती जा रही कांग्रेस सरकार के विरूद्ध देश में जन-असंतोष उभरने लगा। जनान्दोलनों से घबराकर इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने जनता की आवाज को दमनचक्र से कुचलने का प्रयास किया। परिणामतः 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। देश के सभी बड़े नेता या तो नजरबंद कर दिये गए अथवा जेलों में डाल दिए गये। समाचार पत्रों पर सेंसर लगा दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक राष्ट्रवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हजारों कार्यकताओं को मीसा के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। देश में लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा। ये जनसंघर्ष को देखते हुए इंदिरा गांधी ने 18 जनवरी, 1977 को लोकसभा भंग कर दी। दौरान जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर एक नये राष्ट्रीय दल जनता पार्टी का गठन किया गया। आम चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई। जनता पार्टी भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। पूर्व घोषणा के अनुसार 1 मई, 1977 को भारतीय जनसंघ ने करीब 5000 प्रतिनिधियों के एक अधिवेशन में अपना विलय जनता पार्टी में कर दिया।

पंचनिष्ठा प्रतिपादित

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। पार्टी ने अपनी पंचनिष्ठा व्यक्त की हैं।-

राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सर्व धर्म समभाव, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति। स्तुत्य, आज भाजपा देश में एक प्रमुख राष्ट्रवादी शक्ति के रूप में उभर चुकी है। देश के सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कृतसंकल्प है। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी, जो आज सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की उद्घोषणा के साथ गौरव सम्पन्न भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। अभिभूत, राष्ट्रीय अध्यक्ष डां जेपी नड्डा के नेतृत्व में ध्येनिष्ठ कार्यकताओं की शक्ति भाजपा लगभग 12 करोड़ सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है।

भूकंप : कांपती धरती और उपजते सवाल

योगेश कुमार गोयल

म्यांमार में 28 मार्च को रिक्टर स्केल पर आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे भीषण भूकंप बताया गया।

यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे द्वारा मौतों का आंकड़ा 10 हजार से भी ज्यादा होने की आशंका जताई गई है। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए। भूकंप के कारण म्यांमार की दुर्दशा को देखते हुए भारत में भी लोगों के मन में सवाल उमड़ रहे हैं कि कहीं देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार कांपती धरती किसी बड़ी तबाही का सिग्नल तो नहीं है। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के एक अध्ययन में बताया जा चुका है कि 20 भारतीय शहरों तथा कस्बों में भूकंप का खतरा सर्वाधिक है, जिनमें दिल्ली सहित नौ राज्यों की राजधानियां भी शामिल हैं।

हिमालयी पर्वत श्रृंखला क्षेत्र को दुनिया में भूकंप के मामले में सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में जमीन के नीचे दिल्ली-मुरादाबाद फॉल्ट लाइन, मथुरा फॉल्ट लाइन तथा सोहना फॉल्ट लाइन मौजूद है। जहां फॉल्ट लाइन होती है, भूकंप का अधिकेंद्र वहीं बनता है। बड़े भूकंप फॉल्ट लाइन के किनारे ही आते हैं, और दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरी हिमालयन बेल्ट को भूकंप से ज्यादा खतरा है। एनसीएस के पूर्व प्रमुख डॉ. एके शुक्ला के मुताबिक, उत्तर भारत में हिमालयन बेल्ट से ज्यादा खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकंप आने की शंका है। हालांकि ज्यादा तीव्रता का बड़ा भूकंप आने की आशंकाओं के बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है कि यह कब आ सकता है। दरअसल, भूकंप के सटीक पूवार्नुमान का अब तक न कोई उपकरण है, और न ही कोई मैकेनिज्म।

राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिक हालांकि बार-बार धरती के कांपने को लेकर अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि भू-जल का गिरता स्तर भी प्रमुख वजह के रूप में सामने आ रहा है जबकि अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून तथा आईआईटी, कानपुर भी दिल्ली तथा आसपास के इलाकों का अध्यनन करते हुए एनसीएस की मदद कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर को तो भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में करीब 90 फीसद मकान कंक्रीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसद हिस्सा तो जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी बताया जा चुका है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकंप को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि दिल्ली में प्रति वर्ग किमी. में करीब दस हजार लोग रहते हैं, और कोई भी बड़ा भूकंप 300-400 किमी. की रेंज तक असर दिखाता है। भूकंप के झटकों को लेकर दुनिया भर के भूगर्भशास्त्रियों तथा भूकंप विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय धरती की टेक्टोनिक प्लेटें खिसक रही हैं, और उन्हीं के कारण इतने भूकंप आ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक कई बार जब दो टेक्टोनिक प्लेटों के बीच में बनी गैस या प्रेशर रिलीज होता है, तब भी भूकंप के झटके आते हैं। गर्मियों में यह स्थिति ज्यादा देखने को मिलती है। हिमालय में बड़े भूकंप की आशंका जताते हुए वैज्ञानिक कह चुके हैं कि हिमालय पर्वत श्रृंखला में सिलसिलेवार भूकंपों के साथ कभी भी बड़ा भूकंप आ सकता है, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर आठ से भी ज्यादा हो सकती है।

भूकंप वैज्ञानिकों के अनुसार 8.5 तीव्रता वाला भूकंप 7.5 तीव्रता के भूकंप के मुकाबले करीब 30 गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समक्ष हालांकि मनुष्य बेबस है क्योंकि ये आपदाएं बगैर चेतावनी के आती हैं, जिससे इनकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाती है लेकिन हम ऐसे प्रबंध तो कर ही सकते हैं, जिनसे भूकंप आने पर नुकसान की आशंका न्यूनतम रहे। जापान ऐसा देश है जहां सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं, लेकिन उसने भवन निर्माण और बुनियादी सुविधाओं का ऐसा मजबूत ढांचा विकसित कर लिया है, जिससे भूकंपों के कारण कम नुकसान होता है। रिक्टर स्केल पर 5 तक की तीव्रता वाले भूकंप को खतरनाक नहीं माना जाता लेकिन यह भी क्षेत्र की संरचना पर निर्भर करता है। इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि नई इमारतों को भूकंपरोधी बना कर तथा पुरानी इमारतों में अपेक्षित सुधार कर जान-माल के बड़े नुकसान से बचा जा सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Geopolitical fault lines in the Northeast

Media reports on Wednesday quoted statements attributed to Muhammad Yunus, chief adviser to the interim government of Bangladesh, which he reportedly made during his recent visit to China. He has imagined and projected the landlocked seven sisters (our Northeastern states) along with Bangladesh as an extension of the Chinese economy, with Bangladesh and its ports playing a pivotal role. With these remarks, he is trying to leverage the geographical situation prevailing in the Chicken's Neck area (also known as the Siliguri Corridor), a narrow strip of land in West Bengal's Siliguri that connects the Northeast and the rest of India.Yunus is trying to add a new dimension to this problem, I am certain that the Government of India must have already taken cognisance and strategised ways to meet such a contingency.Media reports on Wednesday quoted statements attributed to Muhammad Yunus, chief adviser to the interim government of Bangladesh, which he reportedly made during his recent visit to China. He has imagined and projected the landlocked seven sisters (our Northeastern states) along with Bangladesh as an extension of the Chinese economy, with Bangladesh and its ports playing a pivotal role. With these remarks, he is trying to leverage the geographical situation prevailing in the Chicken's Neck area (also known as the Siliguri Corridor), a narrow strip of land in West Bengal's Siliguri that connects the Northeast and the rest of India.Yunus is trying to add a new dimension to this problem, I am certain that the Government of India must have already taken cognisance and strategised ways to meet such a contingency.Till 2023 and the start of violence in Manipur, peace had prevailed in the Northeast after decades of unrest and violence. There was a ceasefire in Nagaland and elected governments were in place in Assam, Arunachal Pradesh, Mizoram, Meghalaya, Tripura and Manipur.

The Government of India has done an admirable job with the help of the army, security forces and police in bringing peace to the area and the restoration of the democratic process. The interaction and integration between the Northeast and the rest of India has improved and people of the area are going to other parts for studies and employment. Tourism has also begun to grow green shoots.However, an unfortunate Manipur High Court ruling recommended that the state government should move the GoI to include the dominant Meiteis as a Scheduled Tribe and, thereby, allowed for affirmative action (also implying the opening of purchase of land in the hills by outsiders). Knowing the potential of harm likely to be caused by the ruling, the state government should have taken immediate steps to challenge the ruling through judicial means (it could have easily done so).

The hill tribes, fearing loss of land and identity due to the anticipated influx of outsiders, reacted on a massive and sometimes violent scale. Unfortunately, the matter was not handled properly at the state level and the situation was allowed to descend into unrest and violence. The people of the valley and the hills clashed in large numbers and police armouries were looted and many arms were taken away (most of which have not been recovered). The army and the paramilitary forces were not used aptly and the police were not up to it.Now, some kind of peace has been restored, but the social fabric has been torn asunder and silence is the only dialogue. The hill people have not been able to go back to their old way of life.We are sitting on a powder keg, which one volatile statement can set off. The process of dialogue between the communities and the government was not initiated in the early stages and the state government opted to use strong-arm methods, which failed.

The situation in the Northeast requires political acumen and statesmanship of the highest order. We should not wait for the situation to escalate and then try to douse the fires. I would like totake just a passing glance at the other states.

Mizoram has been quiet for long, but now some ominous signs are visible. As reported in the press, the Government of India had asked Mizoram to not take in Rohingya refugees from Myanmar and set up camps for them.

Trump's trade war may sound death knell for WTO

India must start preparing for seizing the opportunity arising out of the higher tariffs being imposed on our competitors.

So the world is not flat any longer! (with homage to Thomas Friedman). In fact, POTUS' 'Liberation Day' announcements have created a large number of valleys and crevices across the global economy. Donald Trump's announcements may also sound the death knell for the World Trade Organisation (WTO) because one of its cardinal principles, the MFN (most favoured nation), has been unceremoniously chucked out of the window of the Oval Office. The MFN, from its inception, has unambiguously mandated that the tariff rate applied by a country on its imports from another country will be applicable to all other exporting countries. With a dazzling bouquet of tariff rates applicable specifically to a particular trade partner of the US, the MFN principle is truly dead and buried. Will this imply the culmination of the long-drawn demise of the WTO, from which the US effectively withdrew in Trump 1.0? I think it will. Centre William Rappard, which houses the headquarters of the WTO in Geneva, should be soon available for new tenants!I am also fairly curious on the reaction to these global economy-shattering announcements from the Bretton Woods Twins, the IMF and the World Bank, as also from the die-hard advocates of a tariff-free world which Prof Jagdish Bhagwati has spawned over his lifetime. What happens to the remnants of the Washington Consensus and its proponents?The entire macroeconomic copybook has been turned on its head with the country that accounts for more than one quarter (26.3 per cent) of the global economy now proceeding to virtually close its domestic market to imports. Poor Mexico, which sent 80 per cent of its exports northwards, and Canada, whose Ontario border bristles with cross-border trade of autos, auto components and consumer products, will now be looking at alternatives that can absorb this large volume of exports. Will they find these when all other countries may be tempted safeguard their own markets! The EU, with a 20 per cent tariff imposed on their exports, may retaliate with a tit-for tat announcement, but will that not sound the end of the north Atlantic alliance that we had taken for granted as the guarantor of the rules-based, multi-lateral global trading order? Sorry, Fukuyama san, history is yet being made. No respite for the succeeding generations.

I am at my wits' end to understand as to how an economy with a per capita income of $87,000 in 2024, having achieved a significant increase of more than $5,000 over the level in 2023, can hope to raise these incomes further by shutting itself out of the global trade flows which has benefitted it so enormously. Is it real for POTUS to expect a grand revival of the manufacturing sector and the re-shining of the rust best across the mid-west, given the extraordinarily high real wages in relative terms with other trading partners? These are only likely to rise as result of the large-scale forced emigration of working age population. Perhaps the calculus is based on a large-scale adoption of robotisation in the US manufacturing sector and a massive increase in private sector capex to undertake this AI-driven robotisation. More likely, the expectation is that border-hopping foreign direct investment, as announced by TSMC (Taiwan Semiconductor Manufacturing Company), will get the rust best up and running in no time. One is reminded of the saying that if wishes were horses…What of the impact on India? The 26 per cent tariff announced is argued to be half of the 52 per cent effective protection applied by India on US exports to India. I am not sure at all on how this figure of effective protection has been arrived at. But be that is it may, it is clear that India's exports to the US will attract substantially lower tariffs as compared to China (34 per cent) Taiwan (36 per cent), Vietnam 46 per cent, and I am sure none of us would have guessed that Cambodia (49 per cent) will face the worst wrath meted out on Liberation Day.So, does this new fragmented world trading arrangement present an opportunity for India? I think so specially if we consider that the much higher cost exports from the EU and Canada will also now attract similar level of tariffs. So rather than go on about the negative impact on our exports to the US, we start preparing for seizing the opportunity presented to us by higher tariffs being imposed on our competitors. In any case how much could the negative impact be if our total exports to the US are a paltry $77.5 billion in 2023 — compared to China's $526 billion and Vietnam's at $120 billion?One straightforward opportunity that is plainly visible comes from the hugely concessional 10 per cent tariff on Brazilian export. Our firms should be encouraged and indeed helped in setting up joint ventures in Brazil and shift our high-end garment export units to that country. The diamond business with relatively low capital costs could also be so re-routed. And with Bangladesh losing out on its import duty free status, we should be preparing to welcome our garment exporters back to India and assure them that they will surely not face the business conditions that drove them away from India to Bangladesh in the past two decades.Finally, a suggestion that, going by past rhetoric, is likely to evoke the fury of Trump 2.0. Members of BRICS, now expanded to BRICSUSAI, should use its next summit to try and agree to a common low-tariff regime among themselves. Yes, there exists the danger of Chinese flooding of all these markets, but it will also open up the growing Chinese market to exports from its BRICSUSAI trading partners. And China could be persuaded to maintain a trade balance with its trading partners with some limits on trade surplus as was originally suggested by Keynes and which was cornerstone of IMF's exchange rate determination stance. With nearly 40 per cent of world trade among themselves, including everything from energy to gold and gems and jewellery, this could pose a very healthy flat world challenge to the global trade.

Anti-drug drives

Punjab must go beyond political optics

Even as Punjab's Chief Minister Bhagwant Mann and Governor Gulab Chand Kataria lead parallel anti-drug campaigns, it is imperative that the efforts go beyond political rivalry and yield tangible results. Punjab, ranking second in the country for drug-related cases under the NDPS Act, continues to grapple with a crisis that has devastated families and endangered the future of its youth. While high-profile marches, public oaths and pledges can create awareness, they must be backed by strong enforcement and systemic change.

The numbers tell a concerning story. While the number of drug-related cases in Punjab has declined from 12,423 in 2022 to 9,025 in 2024, the state remains a major hub for drug smuggling. The government has adopted an aggressive stance, with the Punjab Police shifting focus to dismantling high-level drug networks and targeting kingpins. The real challenge lies in cracking down on the "big fish" who control the supply chain. Deaths due to drug overdose continue to be a stark reality in Punjab, with scores of young individuals succumbing to addiction each year. The absence of adequate deaddiction and rehabilitation services further exacerbates the problem, leaving many vulnerable to relapse or fatal overdose.Without a multi-pronged strategy that includes medical intervention, community support and economic opportunities for those at risk, the state will struggle to turn the tide. The Mann government's youth engagement and the Governor's padyatra aim to mobilise public participation, but deeper interventions are needed. Schools and colleges must play a proactive role and, as the Chief Minister has suggested, teachers should be trained to identify early signs of addiction. For Punjab to truly rid itself of this scourge, political leaders must prioritise long-term structural reforms over momentary optics.

Nation's moral fabric is in peril

Citizens are the sufferers as public life is witnessing a steady decline in values

Justice Yashwant Varma, who was recently transferred to the Allahabad High Court amid a cash stash row, has claimed that someone placed the money in the outhouse of his official residence in Delhi in order to frame him. It must have been a very rich person who had planned to frame the judge. Only Justice Varma would be in a position to name him!A fire was reported at the judge's residence during his absence last month. The police and, of course, the fire brigade were at the scene promptly. Wads of notes were recovered from the outhouse. Some of them were charred, making it difficult for the first responders to count the money — Rs 15 crore is what the public has learnt. It is the figure bandied around on the grapevine, but there is no official take on the amount nor how the money got into the outhouse.The Chief Justice of the Delhi High Court was informed before others. He informed the Chief Justice of India (CJI), who, in turn, ordered an in-house inquiry by a committee of three judges of different high courts. The CJI has decided to be open about the facts as and when they are reported to him. It is obvious that the CJI wants to hide nothing since he knows that if rumours based on conjectures are allowed to proliferate, the damage being done to the integrity and good name of the institution would harm the very essence of the judicial process system in the country. In fact, much harm has already been done.

The armed forces and the judiciary are the two institutions that the people still respect. The other two pillars of any democratic polity, the legislature and the executive, have gone for a toss. The media, too, has largely capitulated. It no longer performs the task of acting as the eyes and ears of the people which it was wont to do earlier. The judiciary is our sole protector at present. If the judiciary, too, goes the way of all flesh, we as a nation are doomed.

There is an advocate in Mumbai named Raju Z Moray. He writes books on his experiences in courts of the city, including the high court. In his latest book, Tales of Law and Laughter, he makes the reader laugh at the foibles of the stakeholders he meets in the HC corridors. But he also subtly hints at the decline in the quality of judges and, worse, the standards of integrity that they were known for earlier.It is very, very sad that the very concept of honesty is under assault in all departments of the government and public life. When our Prime Minister proclaimed that he would not touch tainted money and would not permit others from doing so, many took him at his word. I do not doubt that he has kept to the first part of his promise. The second part should never have been included in the first place. Corruption at the ground level has bested all records. The PM is helpless to combat the menace. He knows it and so do the people.Entrants to the IAS, the IPS and the judiciary, the three Services which matter the most to the people, primarily used to be men and women of merit and integrity. The subordinate ranks respected them and followed their example to a major degree. Three decades later, electoral battles have become so intense that demands to expand the scope of reservation and relax the age of the candidates for the All-India Services and the Central Class I have led to a situation where someone like Puja Khedkar could walk into the premier Service and that, too, in her home state, even though she was ranked 800-plus in the order of merit! In 1952, when I competed, only 41 were taken into the IAS/IFS and 37 in the IPS.If the need to win elections eclipses the need to ensure justice and good governance, there will never be any light at the end of the tunnel. People will have to be content with mediocrity and the insidious corruption that they experience in daily life. It becomes even murkier if justice is dispensed on payment in courts of law.One of my first postings as an assistant superintendent of police was in Nasik. The district judge, for some reason, took a liking to me. When my superior was on leave and I was temporarily in charge of the district police, a policeman on duty in the tribal area of Surgana raped a woman at a fair. The commotion that followed required the presence of a senior officer to calm tempers. The sessions judge and I were in the Officers' Club when the news reached us. He advised me to leave every other matter on hand and proceed immediately to the scene of the disturbance, which I did.All sessions judges in the districts where I served were men of great integrity. Our social interaction rested on shared values and a firm belief in justice and the rule of law.

Things have changed drastically in recent decades. All Services that cater to the public have experienced a steady deterioration in standards. The real sufferers are the citizens of our great nation. The irony is that they do not know what has hit them and how the tsunami originated.We do not know as yet if Justice Varma accepted money. A fair inquiry should reveal the truth. What is certain, however, is that there has been a steady decline in morals and values in public life. India may rise to the rank of the third-largest economy in the world, but if that is achieved under the shadow of corruption, the self-esteem of our citizens will remain low.The writ of the Supreme Court on bulldozer justice, for instance, is being openly flouted by the executive in BJP-ruled states. A form of terrorism has taken shape. The State has become a terrorist. In classical terrorism, citizens do not know who is going to be the next victim. The uncertainty keeps him or her on edge constantly.

On the outskirts of Mumbai, a 'patriot' passing by a Muslim house when an India-Pakistan cricket match was being played in Dubai thought he heard a boy raise anti-India slogans. That was enough for the bulldozers to perform their task of destruction as punishment for a crime the boy may or may not have been guilty of. The Supreme Court's diktat was peremptorily ignored!

JP Morgan warns of 60% chance of global recession after Trump's tariffs

Trump's tariffs spark trade war fears with China
S&P Global and Goldman Sachs increase US recession probabilities
Brokerages slash US stock targets due to tariff impacts

New Delhi. JP Morgan ratcheted up its odds for a US and global recession to 60%, as brokerages scrambled to revise their forecast models with tariff distress threatening to sap business confidence and slow down global growth.The Trump administration imposed tariffs on dozens of countries earlier this week. China retaliated on Friday with its own levies on US goods, adding to worries about an escalating trade war and wreaking havoc on global financial markets.JP Morgan said it now sees a 60% chance of the global economy entering recession by year end, up from 40% previously."Disruptive US policies have been recognised as the biggest risk to the global outlook all year," the brokerage said in a note on Thursday, adding that the country's trade policy has turned less business friendly than anticipated."The effect ... is likely to be magnified through (tariff) retaliation, a slide in US business sentiment and supply-chain disruptions."S&P Global also raised its "subjective" probability of a US recession to between 30% and 35%, from 25% in March.Last week, before the April 2 tariff announcement, Goldman Sachs also raised the probability of a US recession to 35% from 20%, noting economic fundamentals were not as strong as in the previous years.HSBC said on Thursday that the recession narrative will gain traction, but added some of this is already "priced in"."Our equity market implied recession probability indicator suggests equities are already pricing in (about) 40% chance of a recession by the end of the year," HSBC analysts added.Other research firms including Barclays, BofA Global Research, Deutsche Bank, RBC Capital

Markets and UBS Global Wealth Management also warned the US economy faces a higher risk of slipping into a recession this year if Trump's new levies remain in place.Barclays and UBS warned the US economy could enter into contraction territory, while other analysts forecast economic growth broadly between 0.1% and 1%.US equity markets rallied in November after Trump won a second term in the White House on expectations of business-friendly policies.Following Trump's tariffs announcement in January, it has been a forgettable three months for Wall Street's main indexes, with the benchmark S&P 500 down over 8% so far this year.Brokerages including Barclays, Goldman, RBC and Capital Economics slashed their year-end targets on US stocks, with UBS downgrading its recommendation to "neutral" from "attractive".Capital Economics cut its index target for the S&P 500 to 5,500, the lowest among major brokerages, closely followed by RBC's 5,550.

RATE-CUT HOPES

While tariffs could stifle economic growth, some analysts expect this could give more room for the US Federal Reserve to cut interest rates further in order to boost economic activity.JP Morgan said it expects the tariff shock to be "modestly dampened" by the prospect of further rate cuts.Goldman estimates three interest rate cuts by the end of the year.

India's IT Services Companies To Report Subdued Growth During 4QFY25: Report

New Delhi. India's information technology sector is expected to report subdued growth for the fourth quarter of FY25 (January-March period), according to a report by Systematix Institutional Research. The report attributed this slowdown to seasonal weakness and reduced discretionary spending on digital transformation projects by global clients.

It said, "We expect IT services companies within our coverage to report subdued growth during 4QFY25 on seasonal weakness and lower discretionary digital transformation spends." It also mentioned that Indian IT companies, which earn a major share of their revenues from the US market, continue to face a challenging business environment as the US deals with macroeconomic uncertainties.Just as the sector was hoping for a recovery in discretionary tech spending, the report stated that the situation has become more complex due to fresh tariff announcements by the Trump-led administration, recessionary concerns, and a cut in IT budgets by Elon Musk-led DOGE.These developments are causing delays in large-scale tech transformation projects. Instead, clients are now focusing on cost-saving measures, including vendor consolidation and budget reallocation, which is affecting new project flows and revenue visibility for IT firms.

The report expects large-cap Indian IT companies to post a quarter-on-quarter revenue decline of 0 to 2 per cent in dollar terms. Among the major players, Tata Consultancy Services (TCS) is likely to see revenue pressure due to a ramp-down in its deal with Bharat Sanchar Nigam Ltd (BSNL).

Infosys and HCL Technologies may experience a dip in revenues due to seasonal factors, while Wipro, Tech Mahindra, and Sonata Software are expected to report weaker results due to company-specific challenges. Despite the pressure on revenue, EBIT (earnings before interest and tax) margins are expected to remain largely stable across companies.

However, margins for Infosys and HCL Technologies could be slightly affected due to seasonality and wage increases. Overall, the outlook for the IT sector remains cautious, as companies brace for a quarter marked by soft demand, client budget tightening, and global economic uncertainties.

Income Tax Return 2025: What's New In ITR-2 Filing Process Find Out Here

New Delhi. The new financial year has started and so has the tax filing season. Taxpayers can now file their Income Tax Return (ITR) for the Assessment Year 2025-26 (Financial Year 2024-25). Just like every year, the ITR filing process is available in both online and offline modes, making it convenient for everyone to get started.The Income Tax Department has introduced a new Excel-based utility for ITR-2 which was launched on March 25, 2025. This form is meant for individuals and Hindu Undivided Families (HUFs) who don't have income from business or profession. A key update is the addition of the option to file a revised return under Section 139 (8A).

So, if you spot an error or need to update any details in your return, you can now do it without hassle. This new feature is especially helpful for salaried individuals, pensioners, and other non-business taxpayers.

Who Should File ITR-2?

ITR-2 is for individuals whose annual income exceeds Rs 50 lakh or those who earn from sources like rent, capital gains, or other income. You'll also need to file ITR-2 if you're a director in a company or hold shares in an unlisted company. Plus, if you own any foreign assets, this is the form you need to use.Choosing the right ITR form depends on where your income comes from. If your total annual income is below Rs 50 lakh and you earn only from salary, pension, interest, dividends, or rent from just one property, then you should file ITR-1. So, whether you earn from salary, rent, capital gains, or other sources, picking the right ITR form is key to hassle-free filing and staying compliant with tax rules.

Forex kitty continues to gain for 4th week, RBI adds $6.6 bn

NEW DELHI. The reserves rose $6.56 billion to $665.4 billion as of March 28, the Reserve Bank said on Friday. This marks the highest level in nearly five months.

During the reporting weekend, the rupee appreciated by 0.6% against the dollar, supported by the renewed foreign investment in the Indian equities. This means the central bank did not sell much dollars to defend the currency. March also saw the rupee making its best monthly gain in nearly seven months, since November 2018, gaining close to 2.3%. However, the currency closed the last fiscal with a loss of 2.46%.The foreign exchange reserves continue to gain, adding $6.596 billion to a five-month high of $665.4 billion in the week to March 28, according to the latest data from the central bank. In the previous three weeks, the RBI cumulatively added $20.1 billion. According to the government, this can cover 11 months of imports and makes the country's reserves the fourth largest in the world after China, which has over $3.3 trillion in its reserves, followed by Japan with $1.23 trillion, and the tiny Switzerland at the third place with $927 billion, which is 1.5 times of our forex reserve.

The rupee opened strong at 84.95 on Friday as the dollar index fell massively after the bloodbath on the Wall Street following the tariff war unleashed on Thursday. The rupee edged up in volatile trades, holding near three month high against the dollar and closed at 85.22, up 33 paise from the previous close. The dollar index currently quotes at 101.76, nearly at five month low.The RBI said the reserves by $6.6 billion in the latest reporting week, following a cumulative increase of $20.1 billion over the previous three weeks. Movements in foreign currency assets within the reserves are influenced by the central bank's market interventions and fluctuations in the value of foreign assets.

SBI Report Urges India To Expand PLI Scheme As Trump Announces Reciprocal Tariffs

India is reportedly willing to significantly reduce tariffs on over USD 23 billion worth of American goods sold in India as part of the India-U.S. trade deal, which could help in resolving the issue.

New Delhi: According to a report by the State Bank of India (SBI), India should strengthen its Production-Linked Incentive (PLI) schemes in light of growing global trade competitiveness—especially after U.S. President Donald Trump announced reciprocal tariffs on several countries, including India. The report stated that India has a strong opportunity to benefit from the global shift in trade, particularly with the U.S. imposing higher tariffs on Chinese goods.It recommended that the Indian government expand the current PLI schemes across key sectors like textiles, engineering goods, and gems and jewellery. The report suggests widening the coverage of the scheme to include more products and extending its duration by three more years. This would help boost investments in domestic industries and make Indian products more competitive in the global market.It stated, "The Indian government should

expand existing Production-Linked Incentive (PLI) schemes in these sectors to cover a wider range of products and extend their duration by three years, thereby bolstering domestic industries' investment and global competitiveness."One of the key areas where India stands to gain is in exports to the U.S. With tariffs on Chinese goods increasing, India can capture a larger market share in sectors such as textiles, apparel, and footwear. Additionally, India has manufacturing strength in iron and steel products, which can also benefit from these trade changes.However, the report also pointed out that the U.S. has imposed a 26 percent tariff on Indian goods, compared to India's 15 percent tariff on American products. This imbalance, it says, should be addressed through ongoing trade negotiations between the two countries.India is reportedly willing to significantly reduce tariffs on over USD 23 billion worth of American goods sold in India as part of the India-U.S. trade deal, which could help in resolving the issue.The report also mentioned that the reciprocal tariffs being imposed by the U.S. on countries like China, Vietnam, Bangladesh, and Indonesia could give Indian exporters an edge. India may benefit from the expected shift in global supply chains, opening up new opportunities for export growth.

India-US Trade Negotiations Key To Boost Stock Market Sentiment: Experts

New Delhi: The new financial year (FY26) has commenced on a subdued note, largely driven by the imposition of higher-than-anticipated tariffs by the US, market experts said on Saturday, adding that any constructive developments arising from the ongoing India–US bilateral trade negotiations could serve as a supportive catalyst for the market. Sectors like IT and metals have underperformed relative to the broader market, reflecting growing concerns over the outlook for the US economy and potential retaliatory trade actions by other countries.According to Vinod Nair, Head of Research, Geojit Investments Limited, investors are expected to closely monitor any countermeasures implemented by global trade partners, which could further exacerbate geopolitical and economic uncertainty. This cautious sentiment is reflected in the sustained rally in gold and bond prices, underscoring a pronounced shift toward safe-haven assets.Meanwhile, benchmark indices extended their losing streak to a second session on Friday, falling over a per cent each, as a risk-off sentiment took over global markets amid fears of a trade war on the back of US President Donald Trump's reciprocal tariffs, according to a Bajaj Broking Research note.Nifty was down 345.65 points or 1.49 per cent at 22,904.45. Investors fear that aggressive trade policies by US would lead to retaliatory measures from other countries, escalating into a full-scale trade war. Such an outcome could disrupt global supply chains and slow economic growth.The broader markets witnessed sharp decline, with the Nifty Midcap 100 and Nifty Small cap 100 declining by 2.91 per cent and 3.56 per cent, respectively. All the sectoral indices traded with sharp cuts, with the IT, Auto, Pharma, PSU Bank, Realty, Oil and Gas and metals gauges losing 6 per cent to 3 per cent.Index is currently placed around the key support area of 22,700-22,800, holding above the same will be crucial for pullback to materialise towards last week high 23,565 in coming week."Failure to hold above the support area of 22,700 can lead to extended decline towards 22,300 levels. Along with the development on US tariff policies, market participant will also keep a close eye on the RBI monetary policy outcome and resumption of Q4 FY25 earnings season in the coming week," said Bajaj Broking Research. Investor attention is also firmly fixed on the upcoming MPC meeting, with the benchmark interest rate decision expected next week.A favourable outcome could benefit rate-sensitive sectors. In addition, key macroeconomic indicators — namely India's inflation figures and US jobless claims — will be closely watched, as they are likely to offer critical insights into the underlying economic conditions in both regions, said experts.

Kerala 'adventurously experimenting' with alternatives for investment amid constraints: Minister MB Rajesh

MADURAI. With Kerala headed towards assembly polls next year, the CPI(M)-led LDF has pitched the concept of 'Nava Kerala', and the state government is "adventurously experimenting" with alternatives for investment amid "constraints imposed by the BJP-led Union government," Kerala Minister MB Rajesh told PTI.

In an interview with PTI, Rajesh, Minister for Local Self Government of Kerala, said the devolution of Finance Commission to the state has reduced, and borrowing has also been limited.

Amid criticism from within the party folds over recent decisions of the state to allow private universities and inviting private investments for restructuring public sector units (PSUs), Rajesh denied that the Left party was deviating from its policies, and said they have first focused on strengthening government universities and PSUs.Rajesh said the first communist-led government laid the foundation stone for a modern Kerala in 1957, when they introduced land reforms, educational reforms and that was the basis on which the Kerala model of development was created.

"Kerala social development and human development indicators are widely acclaimed. But by the early 1990s, we realised that this model of development has its own limitations and we have to rejuvenate this model," Rajesh said."We decided that now we need to focus more on economic development with social justice and inclusion. So we need to invest heavily on infrastructure and on social sectors and welfare schemes," he said.Rajesh said to sustain the social development and human development indicators, they felt a need to invest more on social sectors and social welfare schemes."But at the same time, we have to generate sufficient resources to make more investment."He alleged the state has been a "victim of hostile policies of the central government led by the BJP"."Kerala's devolution between the 10th and 15th finance commissions came down by half. The revenue deficit gap and GST compensation have been stopped," he alleged."It became extremely difficult for us to pursue any alternative policy other than neo-liberal policy. But we were not ready to succumb to this pressure. So we are adventurously experimenting with an alternative within these constraints imposed by the BJP-led government," he said.Listing the work done by the state, he said they have invested in highways, water metro, digital science park, digital university, schools, hospitals, and within the constraints, the state has not diluted its commitment to social sectors and welfare schemes.

Wall Street shatters as Trump tariffs trigger worst day in US markets since 2020

S&P 500 drops 6%, worst since Covid-19 crisis
China retaliated with matching tariffs, fuelling global market fears
Trump sticks to his tariff strategy, keeping markets uncertain

NEW DELHI. Wall Street faced its sharpest downturn since the height of the Covid-19 crisis on Friday. The S&P 500 plunged 6% after China retaliated against President Donald Trump's tariff hike, stoking fears of a trade war spiralling into a global recession. It was the S&P 500's worst week since March 2020, when the pandemic severely impacted the economy. The Dow Jones dropped 2,231 points (5.5%), while the Nasdaq tumbled 5.8%, falling over 20% from its December high.On Friday, US stock exchanges saw a record-breaking 26.79 billion shares traded, surpassing the previous high of 24.48 billion on January 27, 2021. The Nasdaq dropped 962.82 points to 15,587.79, confirming the tech-heavy index was in a bear market after falling more than 20% from its December 16 record closing high of 20,173.89.

The Dow Jones Industrial Average declined 2,231.07 points to 38,314.86, marking a correction from its December 4 record closing high of 45,014.04. Meanwhile, the S&P 500 slid 322.44 points to 5,074.08, its lowest close in 11 months, according to Reuters.

GLOBAL MARKETS SLIDE AMID TRADE WAR FEARS

Global stock markets also continued their downward spiral, driven by growing investor fears that Trump's reciprocal tariff strategy could fuel inflation and potentially tip the global economy into a recession. The uncertainty has amplified concerns across financial markets worldwide.However, the US government urged investors to stick behind Trump's policies. "To anyone on Wall Street this morning, I would say trust in President Trump," press secretary Karoline Leavitt said in an interview on CNN. "This is a president who is doubling down on his proven economic formula from his first term this is indeed a national emergency, and it's about time we have a president who actually does something about it."

NO WINNERS AS STOCK PLUNGE ACROSS THE BOARD

Stocks for all but 12 of the 500 companies that make up the S&P 500 index fell on Friday. The price of crude oil tumbled to its lowest level since 2021. Other basic building blocks for economic growth,

such as copper, also saw prices slide on worries the trade war will weaken the global economy.

CHINA HITS BACK WITH MATCHING TARIFFS

China's response to US tariffs caused an immediate acceleration of losses in markets worldwide. The Commerce Ministry in Beijing said it would respond to the 34% tariffs imposed by the US on imports from China with its own 34% tariff on imports of all US products beginning April 10. The United States and China are the world's two largest economies.US-listed shares of Chinese companies dived, with JD.com and Alibaba and Baidu all down more than 7.7%. Companies with exposure to China also fell across the board, with mega-caps such as Apple dropping 7.3%.

TRUMP REMAINS DEFIANT

Trump seemed unfazed. From Mar-a-Lago, his private club in Florida, Trump headed to his golf course a few miles away after writing on social media that "THIS IS A GREAT TIME TO GET RICH."

However, Trump gave mixed signals on Friday. Trump said Vietnam "wants to cut their tariffs down to ZERO if they are able to make an agreement with the US." Trump also criticised China's retaliation, saying on his Truth Social platform that "CHINA PLAYED IT WRONG, THEY PANICKED - THE ONE THING THEY CANNOT AFFORD TO DO!"

Trump has said Americans may feel "some pain" because of tariffs, but he has also said the long-term goals.

'Shistachar' squads conduct women's safety drive at school, public places

The initiative focused on educating the public about the perpetuating forms of harassment that women face in public spaces.

NEW DELHI. The Delhi Police's anti-eve-teasing team, coined as the 'Shistachar Squad', conducted awareness campaigns at a school in Rani Bagh and in public places around outer Delhi's Paschim Vihar area in a bid to spread awareness over issues like eve-teasing, molestation, and harassment, officials said on Friday.The initiative focused on educating the public about the perpetuating forms of harassment that women face in public spaces.

In an effort to empower women and make them aware of their rights, the campaign also emphasised on the legal provisions, helpline numbers, and support mechanisms available for those facing such harassment, they said.

With an aim to foster a safer public environment for women, the police teams distributed pamphlets and held interactive sessions with commuters, stressing the importance of respecting women's safety, dignity, and boundaries.

Members of the Shistachar Squad also engaged with local authorities to discuss preventive measures and encourage victims to report such criminal tendencies without fear or stigma, the police said.

Earlier this month, Delhi Police Commissioner Sanjay Arora had issued a circular comstituting dedicated district-wise anti-eve-teasing teams (Shistachar Squads) across the national capital to check incidents of harassment and ensure the women's safety in public spaces. Each squad comprises an inspector, a sub-inspector, four female and five male personnel, and one technician from special staff from the anti-auto theft squad for technical aid. They will be provided with one four-wheeler and adequate two-wheelers to ensure effective patrolling and quick response.

"DCPs in each district shall identify and compile a list of hotspots and vulnerable areas, posing risks to women's safety, which will be the primary focus of these squads. A list of such hotspots identified by the district DCPs will be shared with DCP of the Special Police Unit for Women and Children (SPUWAC)," the circular had read.

BookMyShow removes all content of comic Kunal Kamra amid joke row, delists him

NEW DELHI. In a huge blow to Kunal Kamra, online ticketing platform BookMyShow on Saturday removed all content related to the stand-up comedian and removed him from the list of artists listed on its website.This comes a day after Shiv Sena (Shinde faction) youth leader Rahool N Kanal wrote to BookMyShow, requesting the company not to provide a platform for Kamra, following his controversial remarks on Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shindra.

Requesting the website not to facilitate the sales of tickets for Kamra's upcoming show, Kanal stressed that "continuing to facilitate ticket sales for his events could be perceived as an endorsement to his divisive rhetoric which may have serious repercussions for public sentiment and order in the city."Soon after the ticketing website's decision to delete Kamra from the history list of artists, Kanal welcomed the move, thanking BookMyShow for removing any content linked to the artist.

IGIA to begin trials for full-body scanners from May

NEW DELHI. The Indira Gandhi International Airport (IGIA) will soon have advanced full-body scanners to enhance security while maintaining accuracy.Delhi International Airport Limited (DIAL), operator of the IGIA announced on Friday that the trials for the scanners will begin from next month following the latest guidelines from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS).The airport operator said that four state-of-the-art scanners have been procured for the trials. Two of them will be installed at Terminal 1 (T1), while the other two will be placed at Terminal 3 (T3).

It further said that the IT interface of these machines is currently being finalised. After the completion of the three- to four-month long trial, a BCAS-led committee will go through the findings and establish a Standard Operating Procedure (SoP) for full-scale implementation. The scanners will be using millimeter-wave technology operating between 70 to 80 GHz. DIAL said that unlike conventional X-ray scanners, they do not emit radiation, making them safe for all travellers, including pregnant women and individuals with medical implants."These advanced scanners detect both metallic and non-metallic threats, including explosives, significantly improving upon traditional metal detectors. The technology, already in use at major international airports in the US, Canada, and Australia, enables rapid screening, with each scan taking just three seconds and a maximum throughput of 1,200 scans per hour," the DIAL said. The airport operator further said that the scanners ensure no personal images are stored, while generating a standardized 2D image on a preset human avatar. These can scan in individuals between 3.3 feet to 6.7 feet in height.

DIAL CEO Videh Kumar Jaipuriar said, "Delhi Airport remains committed to deploying the latest technology to enhance security while ensuring a seamless passenger experience. The introduction of these body scanners is a game-changer in security screening, allowing for faster checks."

Delhi hospitals to get 20 per cent hike in compensation and incentives

NEW DELHI. A special tariff is planned for Delhi hospitals under the Ayushman Bharat Yojna, which will begin in the national capital on Saturday. The tariff includes a 20% hike in compensation of treatment rates for hospitals enrolled in the scheme. Also, hospitals with the best performance will receive an incentive of up to 30%.A senior official says, "The treatment tariffs in Delhi are higher compared to other cities. The

stakeholders have communicated that enforcing the standard tariff will not be sustainable for hospitals here."The official says the incentive for top-performing hospitals will be based on multiple parameters, including the turnaround time for surgeries and medical interventions, clearance of bills, and patient feedback.

On Saturday, Delhi will become the 35th state to implement the Centre's flagship Ayushman Bharat scheme and an MoU will be signed between the National Health Authority and the Delhi government.

Ration card holders under the Antyodaya Anna Yojana and citizens above 70 years old will be among the first beneficiaries of the scheme. Verification of senior citizens' details will be done through the voter list, while ration card holders' info will be cross-checked via National Food Security Act portal.

Cabinet nod to Rs 500 crore elevated road in Sonia Vihar to ease traffic hurdles

NEW DELHI. The Delhi government has announced plans for a 6-km elevated road in the Pushta Sonia Vihar area, with an estimated cost of Rs 500 crore. The first capital project of the newly formed BJP government in the city aims to ease traffic congestion and improve connectivity in the trans-Yamuna area.

According to officials, the elevated road will stretch from Nanak Sar Gurudwara to Shani Mandir (UP border), relieving thousands of daily commuters. The move was initiated considering the long-pending demand of trans-Yamuna residents for a solution to the traffic problems in Sonia Vihar.Considering the severe congestion in the area, the Public Works Department (PWD) has decided to construct this flyover, which will provide relief to local residents, they added.

The stretch, currently under the jurisdiction of the flood department, will be transferred to PWD, which will prepare the Detailed Project Report and commence work soon.According to the officials, the people of Sonia Vihar have been struggling with severe traffic congestion, making this project essential. However, due to the large number of trees in the area, it was now decided to build an elevated flyover.

On Thursday, CM Rekha Gupta and PWD Minister Parvesh Verma discussed this, and the project got approval.

"The Nanak Sar Gurudwara Chowk area, a locality in Wazirabad, has been a priority for the government due to its significance as a community hub," Verma said.

In the Budget, Rs 28,000 crore has been allocated for capital expenditure, a dedicated sum of Rs 3,843 crore has been set aside for improving roads and bridges to ensure smooth commuting and connectivity.

DMRC starts integrated app to ease last-mile travel

A bike taxi or auto-rickshaw will be booked to pick up the user from their location to the nearest metro station.

NEW DELHI. Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) has introduced an integrated travel solution through its 'DMRC Sarthi-Momentum 2.0' app, allowing commuters to book bike taxis and auto-rickshaws for first and last-mile connectivity alongside metro tickets in a single transaction.Developed in collaboration with Autope Payment Solutions Ltd., the initiative aims to streamline the commuter experience by eliminating the need for multiple bookings and bridging the gap between metro stations and final destinations. Users can enter their destination on the app, which then suggests the nearest metro stations and the best transport options for first and last-mile travel.

A bike taxi or auto-rickshaw will be booked to pick up the user from their location to the nearest metro station. Once the user reaches the destination station, another ride will be arranged for the last-mile connectivity. If the station is within walking distance, the app will not suggest a vehicle, but walking navigation will be available soon. DMRC has partnered with Rapido for bike taxis and auto-rickshaws and SheRyds, a women-led startup offering bike taxi services exclusively for female commuters.

Speaking on this, Vikas Kumar, MD, DMRC, said, "With the launch of this integrated service, we are addressing one of the most pressing challenges in urban commuting—first and last-mile connectivity. Sarthi-Momentum 2.0 makes metro travel more accessible, efficient, and convenient for all."

Fight against the Waqf bill goes to Supreme Court

NEW DELHI. Hours after the Waqf (Amendment) Bill 2025 received Parliament's approval, the Congress and the All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) moved the Supreme Court on Friday, challenging its validity, arguing that it violates constitutional provisions.The development came a day after Tamil Nadu Chief Minister M K Stalin announced in the state assembly that the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) will move the SC to challenge the bill.

In his plea, Congress MP Mohammad Jawed held that the bill imposes arbitrary restrictions on waqf properties and their management, undermining the religious autonomy of the Muslim community. The petition claimed that the proposed law discriminates against Muslims by imposing restrictions that are not present in the governance of other religious endowments.

Jawed, a Lok Sabha MP from Bihar's Kishanganj, was also a member of the Joint Parliamentary Committee (JPC) that scrutinised the bill.

While the Lok Sabha cleared the bill 288:232; in the Rajya Sabha it sailed through with a 128:95 vote. Both Houses witnessed 12-hour marathon debates. The bill will now go to the President for assent before becoming law.Earlier in the day, AICC general secretary Jairam Ramesh said his party will soon challenge the constitutionality of the Waqf (Amendment) Bill, 2024, in the Supreme Court.

Challenging the bill in the top court, AIMIM president Asaduddin Owaisi in his plea argued that it removes various protections that were previously accorded to waqfs as well as to Hindu, Jain, and Sikh religious and charitable endowments."This diminishing of the protection given to Waqfs while retaining them for religious and charitable endowments of other religions constitutes hostile discrimination against Muslims and is violative of Articles 14 and 15 of the Constitution, which prohibit discrimination on the grounds of religion."

AIMPLB knocks prez door

The All India Muslim Personal Law Board sought an urgent appointment with President Droupadi Murmu to express their concern before her assent to the Waqf Bill

"Government Should Take Strict Action": BJP's Arun Govil On Mahadev Betting App

New Delhi. Bharatiya Janata Party (BJP) leader Arun Govil on Friday said that strict action should be taken against those involved in a case related to the Mahadev Betting App."Mahadev App has been in controversy and people from Bollywood to politicians - leaders from Chhattisgarh have been questioned in this case. The government should take strict action against those who are involved in illegal activities... Youth are the future of the country and if they are getting involved in this, committing suicide, then the future of the country will not be bright. The government should take strict action," Mr Govil said.

The Central Bureau of Investigation (CBI) has named former Chhattisgarh Chief Minister and Congress leader Bhupesh Bhagel as one of the accused in the Mahadev Betting app case.On April 1, the CBI made public its first information report (FIR) in connection with the Mahadev online betting app case.

According to the FIR a total of 21 people have been named as accused including; Ravi Uppal, Shubham Soni (Pintu), Chandra Vhushan Verma, Assem Das, Satish Chandrakar, Nitish Deewan, Saurabh Chandrakar, Anil Agarwal (Atul Agarwal) Vikas Chhapriya, Rohit Gaulati, Vishal Ahuja, Dheeraj Ahuja, Anil Kumar Dammani, Sunil Kumar Dammani, Bhim Singh Yadav, Harishankar Tibarwal, Surendra Bagi, Suraj Chokhani and two other unknown persons, including a police officer.

The CBI has charged the accused with Sections 120 (B), 420, 467, 468 under the Indian Penal Code (IPC); Sections 11, 7, 8, 4 of the Chhattisgarh Gambling (Prohibition) Act, 2002, and Section 4 (A) of the Public Gambling Act.On March 26, the investigative agency also conducted a 14-hour search at the residence of former CM Bhupesh Bhagel, confiscating three phones."15 days ago, the Enforcement Directorate (ED) had conducted a thorough raid and questioned what more the CBI could uncover now." He also revealed that the CBI had taken original documents from his residence, and despite his request, they did not provide photocopies," Baghel said.He asserted that if action had been taken in time, submitting the required documents would have been beneficial.

The FIR, originally received on March 4, 2024 alleges that Mahadev Online Book is operating betting services illegally. The complaint also alleged that other websites are also being operated in association with the promoters of the Mahadev betting app, naming "skyexchange," which is allegedly being operated by Hari Shankar Tibrewal in association with Mahadev Online Book.

The complaint alleges that Mahadev platform provides illegal betting services in different "live games" including poker, card games, chance games, betting on sports. The app rose to significance five years ago, in 2019-2020, during the COVID-19 lockdown.

NEWS BOX

Indian stabbed to death in Canada's Ottawa, suspect taken into custody: Embassy

world. An Indian national was killed in a stabbing incident in Rockland, a town near Ottawa, Canada. Local police have taken a suspect into custody, though further details about the circumstances of the attack remain unknown.The Indian embassy in Canada confirmed the incident on X and said it was in touch with the victim's family. "We are deeply saddened by the tragic death of an Indian national in Rockland near Ottawa, due to stabbing. Police has stated a suspect has been taken into custody. We are in close contact through a local community association to provide all possible assistance to the bereaved kin," the post read.According to a report by CBC News, one person was found dead in Clarence-Rockland and another was arrested. Authorities have not disclosed the cause of death or whether any charges have been filed.The Ontario Provincial Police has advised residents of Rockland to expect a heightened police presence in the area, according to a report by CBC News.

'Shame on you': Anti-Israeli protester interrupts Microsoft's 50th anniversary over AI use in war

world. A woman disrupted Microsoft's 50th anniversary celebration on Friday in protest of the company's connection to the Israeli military. It occurred during a keynote presentation by Microsoft AI CEO Mustafa Suleyman, who was speaking about the future of the company's AI assistant, Copilot.

The event featured key figures, including Microsoft co-founder Bill Gates and former CEO Steve Ballmer.

As Suleyman spoke, the woman stood up and shouted, "Mustafa, shame on you. You claim that you care about using AI for good but Microsoft sells AI weapons to the Israeli military.""Fifty-thousand people have died ... all of Microsoft has blood on its hands. How do you all celebrate when Microsoft is killing children? Shame on you all," she added.Suleyman responded calmly, saying, "Thank you for your protest, I hear you."

However, the protester continued, accusing him and Microsoft of having "blood on their hands."

AI in military operations

The protest comes as there has been increasing scrutiny of how tech firms, including Microsoft and OpenAI, sell AI tools to the military. An earlier report by The Associated Press this year claimed that the AI models produced by the companies were being used by the Israeli military to select bombing targets.The report further cited a disastrous incident in 2023 when an Israeli airstrike accidentally destroyed a car in Lebanon, killing three young girls and their grandmother.Earlier in February, five workers were banned from an in-house meeting with CEO Satya Nadella when they protested over the company's contracts with the military. Meanwhile, Friday's demonstration was more high-profile because it occurred during a livestreamed celebration.

Magnitude 6.9 earthquake strikes Papua New Guinea, tsunami warning cancelled

world. WELLINGTON: A tsunami warning was cancelled for Papua New Guinea after a strong magnitude 6.9 earthquake, according to the US Geological Survey.

The quake was shallow, striking the Pacific island nation at a depth of 10 kilometers (6 miles) on Saturday morning local time. It was centered offshore, 194 km (120 miles) east of the town of Kimbe, on the island of New Britain.

The Pacific Tsunami Warning Center later called off an alert issued immediately after the jolt that warned of waves of 1 to 3 meters along some parts of the Papua New Guinea coastline. A caution about smaller waves of 0.3 m issued for nearby Solomon Islands was also called off.There were no immediate reports of damage. Just over 500,000 people live on the island of New Britain.Australia's Bureau of Meteorology said there was no tsunami threat to the country, which is Papua New Guinea's closest neighbour. No warning was isued for New Zealand.

Papua New Guinea sits on the Pacific “Ring of Fire,” the arc of seismic faults around the Pacific Ocean where much of the world’s earthquake and volcanic activity occurs.

"Oops": Trump Shares Video Showing Deadly Strike On Houthis In Yemen

Washington, United States.US President Donald Trump on Friday posted a video purportedly showing dozens of Huthi fighters being killed in an American strike on Yemen, adding the comment "oops."Resembling images shot from military drones or other loitering aircraft, the black-and-white footage Trump posted to his Truth Social network shows several dozen human figures from an almost vertical angle."These Houthis gathered for instructions on an attack," Trump wrote in an accompanying text, using an alternate spelling for the Yemeni rebel group.American forces have carried out major raids on Yemen in recent weeks in response to the group's attacks on Red Sea shipping.Gathered in a loose oval along a road, the people in the video are superimposed with a gun camera-style crosshair.

A few seconds in, a bright flash appears in the middle of the scene, followed by billowing smoke.The footage cuts to a wider shot showing a column of smoke over the apparent impact site and several vehicles parked further up the road.The camera then cuts closer again to show a broad crater at the point of impact. No bodies are readily identifiable.

From IRS to EPA: Full breakdown of historic US government layoffs

UPDATED President Donald Trump and billionaire Elon Musk are undertaking a sweeping campaign to cut the size of the 2.3 million-strong civilian US government workforce. Nearly 200,000 employees have been fired or earmarked for termination or have accepted buyouts.

The layoffs have primarily been aimed at probationary workers, many in jobs for less than a year with fewer job protections than longer-tenured staffers.A judge ruled in March that the terminations of some 25,000 probationary employees were likely illegal, forcing federal agencies to begin reinstating themMeanwhile, a new wave of cuts targeting career government workers has begun and is intensifying after Trump ordered federal agencies to submit plans for large-scale layoffs by March 13.

Here are details of some of the layoffs at federal departments and agencies gleaned by Reuters reporters.

UNITED STATES INSTITUTE OF PEACE

Employees at the United States Institute of Peace received termination letters Friday evening, according to people familiar with the matter. The organization, an independent, nonprofit organization funded by Congress, employs about 300 people at its Washington headquarters.

The mass firing came less than two weeks after DOGE staffers gained access to USIP's headquarters in Washington with the help of police officers, prompting the institute to accuse Musk's team of occupying its building by force.INSTITUTE OF MUSEUM AND LIBRARY SERVICES

All employees of the Institute of Museum and Library Services, a federal agency with about 75 workers which provides funding for America's libraries and museums, were placed on administrative leave on Monday, according to a union statement.

The American Federation of Government Employees Local 3403 said in a statement that all employees were put on leave following "a brief meeting between DOGE staff and IMLS leadership" and told to turn in all their government equipment.

DEPARTMENT OF HEALTH AND HUMAN SERVICES

The US Department of Health and Human Services will cut about 10,000 full-time jobs and close half of its regional offices, it said on March 27, a major overhaul of the department under Secretary Robert F. Kennedy Jr. Employees of various departmental agencies began receiving their termination notices on April 1.

The latest job cuts, and about 10,000 recent voluntary departures, will reduce the number of full-time employees at the department to 62,000 from 82,000, the department said.

VOICE OF AMERICA

More than 1,300 Voice of America employees were placed on leave on March 15, Michael Abramowitz, the U.S. government-funded outlet's director, said in a post on LinkedIn.

The cuts were part of a gutting of the outlet's parent agency, the U.S. Agency for Global Media, which terminated its grants to Radio Free Europe/Radio Liberty and Radio Free Asia.

VETERANS AFFAIRS

The Department of Veterans Affairs is planning to cut more than 80,000 workers from the agency, according to an internal memo seen by Reuters.The VA's chief of staff, Christopher Syrek, sent the memo to senior agency officials, telling them the goal was to return the agency to 2019

Taiwan's top security official visits US as China ends military drills: Report

Taiwan's top security official, Joseph Wu, arrived in the US for talks with the Trump administration, days after China's war games near Taiwan. The "special channel" meeting marks Trump's first since returning to office, amid rising regional tensions.

UPDATED. The head of Taiwan's National Security Council arrived in the United States for talks with President Donald Trump's administration, a source familiar with the matter said on Friday, days after China concluded war games around Taiwan.Joseph Wu was leading a delegation for a meeting known as the "special channel," the Financial Times reported earlier. It marked Trump's first use of the channel since returning to the White House on January 20.Earlier this week, China's military concluded two-day war games around Taiwan in which it held long-range, live-fire drills in the East China Sea, marking an escalation of exercises around the island.Taiwan has denounced China for holding the drills. The United States, Taiwan's most important international supporter and

main arms supplier despite the lack of formal diplomatic relations, condemned the latest exercises earlier this week.Taiwan is only one area of tension between the United States and China whose ties have been tested by multiple issues such as human rights, the origins of COVID-19 and trade tariffs, including measures put in place by Trump this week.Trump's tariffs this week also upset Taiwan, which called them unreasonable.Trump has also been critical of Taiwan for taking U.S. semiconductor business, saying he wants the industry to re-base to the United States. Taiwan's top security official has said the Trump administration's support for Taiwan remains "very strong."China has stepped up rhetoric against Taiwan President Lai Ching-te, calling him a "parasite" on Tuesday in the wake of U.S. Defence Secretary Pete Hegseth's Asia visit, during which he repeatedly criticised Beijing.The White House and the Taipei Economic and Cultural Representative Office in the United States did not immediately respond to requests for comment.China views democratically governed Taiwan as its own territory and has repeatedly denounced Lai as a "separatist". Lai, who won election last year, rejects Beijing's sovereignty claims and says only Taiwan's people can decide their future.Taiwan has lived under the threat of Chinese invasion since 1949 when the defeated Republic of China government fled to the island after losing a civil war with Mao Zedong's communists, though the two sides have not exchanged fire in anger for decades.

Trump shares video claiming he's crashing stock market on purpose

world. The stock market took a hard hit this week after US President Donald Trump imposed sweeping new tariffs—and now a viral video he posted makes it seem like it's all according to plan to crash the market deliberately.On Friday, Donald Trump posted a video on his social media site, Truth Social. The video, initially posted by user @AmericaPapaBear on X (formerly known as Twitter), makes the bold assertion that Trump is "purposely CRASHING the market."

The video, which is partly generated using artificial intelligence (AI), was initially shared on TikTok on March 15 — before Trump declared new tariffs this week.However, the video went viral after the US stock market plunged. The Dow Jones dropped over 2,000 points, and the S&P 500 decreased by 5.7% on Friday.

Even though he shared the video, Trump did not clarify why he shared it or if he believes in its statements. The video claims that Trump is deliberately creating a stock market decline to benefit the overall economy in the long term.In the video, a narrator claims, "Trump is crashing the stock market by 20 percent this month, but

he’s doing it on purpose." He goes on to suggest that this is all part of a bigger plan. "Here’s the secret game he’s playing, and it could make you rich."

As per the video, Trump is attempting to pressure money into US treasury bonds. This will complicate matters for the Federal Reserve (US central bank), asking it to decrease interest rates in May. Low interest rates would allow the government to roll over its record debt at a cheap interest rate. The video states this also lowers the mortgage rates and weakens the dollar, which can aid common people in America. "Now it’s a wild chess move, but it’s working," the narrator claims.

The video even praises Trump’s tariff strategy, calling it "a genius play." It explains, “It actually forces companies to build here to dodge them. It also forces farmers to sell more of their products here in the US to bring grocery prices way down. We’ve already seen this with eggs."The narrator then makes a bold statement, "Now, remember, 94 percent of all stocks are owned only by 8 percent of Americans.

US mistakenly orders Ukrainians to leave in email blunder

world. Multiple Ukrainians legally in the United States under a humanitarian program received an email this week telling them their status had been revoked and they had seven days to leave the country or the "federal government will find you."A Department of Homeland Security (DHS) spokesperson said on Friday the email had been sent in error and that the Ukrainian parole program created after the 2022 Russian invasion of that country had not been terminated. It was not clear how many Ukrainians received the email.Reuters reported last month that the Trump administration was planning to revoke temporary legal status for some 240,000 Ukrainians who fled the conflict with Russia. Such a move would be a reversal of the welcome Ukrainians received under President Joe Biden's administration."If you do not depart the United States

immediately, you will be subject to potential law enforcement actions that will result in your removal from the United States," the Thursday email read. "Again, DHS is terminating your parole. Do not attempt to remain in the United States."The DHS sent a follow-up note on Friday, informing them that the order was in error and that "the terms of your parole as originally issued remain unchanged at this time."

One Ukrainian parolee, who asked that her name not be used for fear of retribution from the U.S. government, said she "couldn't breathe normally and was uncontrollably crying" upon receiving the email.The woman said she had renewed her immigration status last August and had been told that it was valid for another two years, and she racked her brain trying to figure out what she had done wrong to be booted from the U.S. She could think of no reason, saying, "I don't have as much as a parking ticket, don't post on social media."Angela Boelens, president of IA NICE, a non-profit in Iowa that has sponsored dozens of Ukrainians, said she knows of at least two women who received the letter, one of whom is pregnant."It's a very scary email. All of my families are in complete panic," Boelens said. "I'd been telling people they would have time after a revocation notice. But this letter is very different."

Supreme Court backs Trump move to cut $600 million in teacher training funds

WASHINGTON. The Supreme Court on Friday granted the Trump administration’s plea to cut hundreds of millions of dollars in teacher-training money as part of its anti-DEI efforts, while a lawsuit continues.

The justices split 5-4, with Chief Justice John Roberts joining the three liberal justices in dissent.The emergency appeal is among several the high court is considering in which the Justice Department argues that lower-court judges have improperly obstructed President Donald Trump’s agenda.Friday’s order was the first time, in three attempts, that the nation’s highest court gave the administration what it wanted on an emergency basis.

The Supreme Court previously sided against the administration in another lawsuit over nearly $2 billion in foreign aid cuts in another divided 5-4 ruling, with Justice Amy Coney Barrett in the majority in both cases.It remains to be seen whether Friday's decision marks a narrow win or a broader shift in Trump's favor.The Trump administration is facing some 150 lawsuits in lower courts challenging his flurry of executive orders. That includes about two dozen over federal funding cuts, some totalling billions of dollars.The teaching training case deals with cuts to more than 100 programs. They had been temporarily blocked by a federal judge in Boston, who found that they were already affecting training programs aimed at addressing a nationwide teacher shortage.U.S. District Judge Myong Joun issued a temporary restraining order sought by eight Democratic-led states that argued the cuts were likely driven by efforts from Trump’s administration to eliminate diversity, equity and inclusion programs.The federal appeals court in Boston turned away an appeal from the administration to allow them to resume.The Republican president has also signed an executive order calling for the dismantling of the Education Department, and his administration has already started overhauling much of its work, including cutting dozens of contracts it dismissed as “woke” and wasteful.The two programs at issue — the Teacher Quality Partnership and Supporting Effective Educator Development — provide more than $600 million in grants

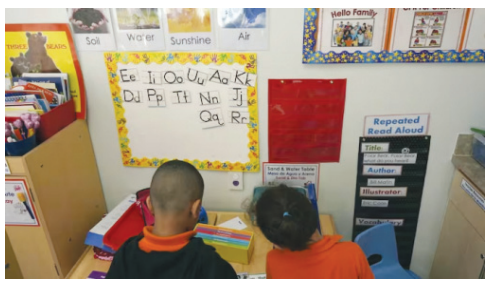

for teacher preparation programs, often in subject areas such as math, science and special education, the states have argued. They said data has shown the programs had led to increased teacher retention rates and ensured that educators remain in the profession beyond five years.Despite Joun's finding that the programs were already being affected, the high court's conservative majority wrote that the states can keep the programs running with their own money for now. By contrast, the majority said in an unsigned opinion, the federal government probably wouldn’t be able to recover the cash if it ultimately wins the lawsuit.Justice Elena Kagan wrote in dissent that there was no reason for the court's emergency intervention.Nowhere in its papers does the Government defend the legality of canceling the education grants at issue here,” Kagan wrote.In a separate opinion, Justice Ketanji Brown Jackson wrote, “It is beyond puzzling that a majority of Justices conceive of the government’s application as an emergency.”Roberts joined neither dissent, noting only that he would have denied the appeal.The administration halted the programs without notice in February. Joun, an appointee of Democratic President Joe Biden, found that the cancellations probably violated a federal law that requires a clear explanation.

NEWS BOX

India readies bid to host 2036 Olympics; plans to develop 10 training centres

NEW DELHI. India has been strongly advocating its bid for hosting the Olympics in 2036 but faces formidable competition from nations including Saudi Arabia (host city Riyadh), Qatar (Doha), Turkey (Istanbul), Indonesia (Nusantara) and Hungary (Budapest), which have been assertively showcasing their strategic vision and financial prowess to deliver a successful Games.With a new dispensation taking over at the IOC, the Indian govt has accelerated its endeavours to establish itself as a serious contender and match the efforts mounted by others.Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

It's been learnt that an Indian delegation comprising Sports Ministry and IOA officials will deliver a comprehensive power-point presentation to the IOC's Future Host Commission at its headquarters in Lausanne, emphasising the country's preparedness to organise the Games in Ahmedabad.With the submission of an edition-specific formal bid – which would be

assessed by the host commission – India wishes to enter the next phase of a process called the "targeted dialogue".

India plans to develop 10 Olympic training centresTaking inspiration from prominent Asian sporting powerhouses such as China and Japan, the Indian govt has decided to establish 10 state-of-the-art Olympic training centres across the nation where future elite athletes will be groomed with the objective of enhancing the country's medal tally at the Summer Games.The high-performance training facilities will be established in major Indian cities and will operate under a public-private partnership (PPP) framework, TOI has learnt. Each specialised centre will be dedicated to one specific sport from the 10 selected disciplines, where a maximum of 150 sportspersons will be accommodated to prepare for the Olympic Games and other multisport events.The athletes will be chosen from the Khelo India Youth and University Games – KIYG and KIUG – and the National Games organised by the Indian Olympic Association (IOA).

Kabaddi, kabaddi, kabaddiction: Former India ace trains budding players for free in Kochi

- Omar Shereef currently trains about 45 girls and 20 boys, from sub-junior to university levels

NEW DELHI. In the beach at Kuzhupilly, among the throng of visitors, a few girls are busy warming up. They jog and stretch with discipline. Then, as they start stirring up the sand, one can hear the repeating chant — kabaddi, kabaddi, kabaddi….A practice session forbeach kabaddi is underway here. Their coach, 45-year-old Omar Shereef, a veteran player who was part of the 2008 Asian Beach Games gold-winning Indian team, watches on, correcting mistakes and suggesting strategies."The girls' team is preparing for the upcoming State Beach Kabaddi Championship," he says. Notably, teams coached by Shereef have been winning the district-level games for the past few years. This year, the team's aim is gold."The game is intense. They need strength, speed, strategy, and a bit of luck. Balancing both speed and dexterity in the sand is a bit difficult, after all," says Shereef, an India Post official who runs Paravur Kabaddi Academy.Kabaddi is gaining popularity compared to pre-pandemic times, he explains. "With Pro Kabaddi kicking up a storm, and the nature of the game itself changing, it's more visible than when I started out," he says."Now indoor Kabaddi is played with shoes on a special mat. Much more interesting to watch for an audience."Shereef currently trains about 45 girls and 20 boys, from sub-junior to university levels. What sets Shereef's academy apart is that his training is free.

"The reality is that Kabaddi has just started gaining popularity. And unlike football and cricket, most students who play it are from low-income, marginalised communities. They cannot pay for coaching in hi-tech centres," he says.So, as a professional Kabaddi player who is passionate about the game, he decided to nurture the students. The only ask: train properly and study well.

The training is a daily affair. Every day, after he finishes his work at the postal department, he gets into coaching mode. By then, the students assemble after school.

"The training location changes from many beaches to school and college grounds. Now, we are training for the State Beach Kabaddi Championship. Currently an amateur tournament organised by the KMEA

Engineering College (Pookkattupady) is going on. It will conclude on Saturday. Girls and boys from my academy are part of the tournament. So it's been a busy couple of months," Shereef says, his eyes focused on the girls practising.Shereef has been playing kabaddi since he was 18 — first for his college team.The beginning was quite coincidental. A few of his friends were in the kabaddi team and they invited him one day for practice. "I fell in love with it," smiles Shereef.Soon, he rose through the ranks and became a national player. "Now, I can't live without it," he adds. Last year, he captained the India Post Kerala circle team, which won the national championship held in Shimla.

"I just love this game," he says, when asked how he manages all these daily duties. And it's this love that he wants to spread among the children — a passion for a game that has made a comeback.However, he adds, some join under him as kabaddi is a good medium for fitness. "Strength training, cardio, overall fitness — kabaddi is good for all, to maintain fitness goals of both adults and children," he highlights.

Above all, Shereef believes in the community and healing power of sports. "In today's world, especially amid the rising concerns of drugs, we need sports more than ever. We should not gatekeep facilities. This is one way in which I am contributing. After all, kabaddi itself is an addiction — a healthy one," Shereef smiles.

Freak throw to the head sends Imam ul Haq to hospital in 3rd ODI

- Imam-ul-Haq copped a blow to the face in 3rd ODI
- A concussed Imam was substituted midway through the match
- Pakistan have already lost the ODI series

NEW DELHI. Pakistan batter Imam-ul-Haq was hospitalised after being hit in the face in Pakistan's 3rd ODI match vs New Zealand. Imam was forced to leave the field in the third over of the team's chase on Saturday, April 5 after a throw from short cover slipped through his helmet to hit his face.Imam winced in pain and dropped to the floor right after the ball struck him. He was attended by the team's physio, and was eventually carried off the field on a medical cart. Imam was checked for concussion and was substituted later in the game by Usman Khan. The broadcaster later informed that he was hospitalised due to his injury.Imam was batting at 1 off 7 balls at the time of getting injured.Pakistan have already lost the 3-match ODI series. They lost the first two games of the 3-match series at Napier and Hamilton respectively. The Mohammad Rizwan led team were hammered in the first two matches in a team led by Michael Bracewell. In the first match, Mark Chapman scored a terrific hundred which helped the hosts to beat Pakistan by 73 runs.

In the second game, Michael Hay and Ben Sears combined to hand Pakistan a heavy defeat by 80 runs despite them chasing a score of 293 runs.

LSG vs MI: Digvesh Rathi fined again after repeating notebook celebration

New Delhi. Lucknow Super Giants spinner Digvesh Rathi was fined for the second successive time in the ongoing Indian Premier League (IPL) 2025 season due to his animated 'notebook' celebration against Mumbai Indians. Digvesh, who had already been fined for his celebration against his Delhi teammate and Punjab Kings opener Priyansh Arya, was this time fined 50% of his match costs for violating the IPL Code of Conduct.This marked the spinner's second Level 1 breach this season, meaning he has been fined 50% of his match fees and has now accumulated two Demerit Points. Meanwhile, captain Rishabh Pant was also fined for his team's poor over rate during Friday's match against Mumbai Indians in Lucknow. Pant received a fine of Rs 12 lakh for his team's first offence of the season.On the very first ball of the 9th over, Digvesh repeated his controversial notebook celebration after dismissing MI batter Naman

Dhir, who had been playing brilliantly before departing for a 24-ball 46. The 25-year-old had previously accumulated 1 Demerit Point and was charged with a Level 1 offence under Article 2.5 for the same celebration after dismissing PBKS opener Priyansh Arya in the second innings of his side's clash against the Shreyas Iyer-led franchise.

While Digvesh's dismissal of Naman Dhir played a key role in LSG's thrilling 12-run win over MI and also won him the Player of the Match award—specifically with the batter looking in brilliant touch at that moment of the 204-run chase—his disciplinary issues now get him closer to the risk of suspension.

Glenn Maxwell key spinner for PBKS on any venue: Spin bowling coach Sunil Joshi

New Delhi. Punjab Kings spin bowling coach Sunil Joshi hailed the side's star all-rounder Glenn Maxwell as one of their key spinners, irrespective of the conditions or venue in the Indian Premier League. As the side gears up to take on Rajasthan Royals on April 5, Joshi once again highlighted Maxwell as a crucial spin-bowling option for the side when they take the field at the Maharaja Yadavindra Singh International Cricket Stadium in Tira, Punjab on Saturday.Maxwell's new chapter with the Punjab Kings in IPL 2025 has not been outstanding with the bat so far, but the Australian star has seen his bowling prove efficient for the team. He has picked up two wickets in two matches — both being key dismissals of opposition captains, Rishabh Pant of Lucknow Super Giants and Shubman Gill of Gujarat Titans. Speaking at the pre-match press conference ahead of their clash against RR, Joshi explained how Maxwell's experience on big stages is what PBKS will rely on heavily this season.

IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule"I think Maxwell is one of the key players for us as far as the spin bowling is concerned. Every ground and every venue has different dynamics and he understands most of them. He has delivered for us in the last two games. With his pedigree of experience, I am sure he will perform very well in the home games," Joshi said.PBKS, under the new leadership of captain Shreyas Iyer and head coach Ricky Ponting, have ensured a strong start to their IPL 2025 campaign after winning both of their matches so far against GT and LSG. Their performances have placed them at the top of the points table even before they take on Rajasthan.While the likes of Iyer, Prabhsimran Singh and even Maxwell have been in fine form for the side, they will be expecting a stern challenge from Rajasthan Royals, who will have their returning skipper Sanju Samson leading them. The Royals are also coming into the contest on the back of a win against Chennai Super Kings, adding further intensity to what promises to be an exciting encounter in Tira.

Go easy on us: R Ashwin playfully asks DC's KL Rahul to gift CSK two points

New Delhi. Ahead of their key Indian Premier League (IPL) 2025 clash on April 5, Chennai Super Kings spinner R Ashwin shared a light-hearted moment with Delhi Capitals' star wicketkeeper-batter KL Rahul, jokingly asking him to "go easy" on CSK and hand them two points. The banter took place during a training session at the MA Chidambaram Stadium, with the two players seen chatting in front of the CSK dressing room.In a video recently uploaded by Delhi Capitals' official social media handle, Ashwin was seen in a jovial mood, requesting Rahul to give CSK a win, also praising Delhi's impressive form this season. Ashwin added that DC have been "too good" in IPL 2025 so far. The experienced spinner also asked after Rahul's daughter, showing a warm personal touch to the conversation.Delhi Capitals have indeed looked in formidable touch this season, winning both of their opening matches against Sunrisers Hyderabad and Lucknow Super Giants. They now head into Saturday's fixture as the favourites, given their current

momentum and Chennai's inconsistent start to their campaign.

However, things could take a dramatic turn at Chepauk, with CSK possibly missing regular skipper Ruturaj Gaikwad due to an elbow injury. If Gaikwad is ruled out, MS Dhoni may step in to lead the side — a move that would surely excite the home fans at the iconic venue. The Super Kings are under pressure to find their rhythm after a stuttering beginning to IPL 2025, and a win against a confident Delhi Capitals outfit would be a significant boost.

MS Dhoni as CSK captain one last time What to expect if Thala returns in role

- MS Dhoni may return as captain as Ruturaj is injured
- Dhoni last captained CSK in ipl 2023 final
- Dhoni has the most wins as captain in IPL history

New Delhi. When Chennai Super Kings welcome Delhi Capitals to the Chepauk on Saturday, April 5, all eyes will be on MS Dhoni. He is the superstar of the side and captained them to 5 IPL titles and the fan following for the 43-year-old is always sky high. Even in lost matches, the fans stick around to see a bit of Dhoni magic and a few sixes into the crowd.On Saturday, fans will head to Chepauk with high expectations as news has come in that we could see 'Captain Cool' return. With Ruturaj Gaikwad being a doubt for the game due to an elbow injury, CSK batting coach Mike Hussey said that Dhoni will captain the side if their regular skipper doesn't make the cut.We've got some young guy [Dhoni] coming through. He's behind the stumps. Maybe he can do a good job," Hussey said during the press conference.

This has certainly captured the imagination of the fans as they have a chance to see Dhoni make one more return in his most famous avatar. But can we expect from Dhoni as CSK captain once again?

Calmness personified

Let's just get this out of the way and say that there will be a lot of calmness once Dhoni takes over as the skipper. As we have seen in countless situations in the IPL and in international cricket, Dhoni is like that captain who can guide the ship throught turbulent waters."Could he do it? Of course. Will he do it? At 43 years old, MS Dhoni, I'm not sure. It might just be for one game, but this could also be an opportunity for CSK to think about the future," Clarke told the broadcasters after the match.Sunil Gavaskar said he should be given captaincy and shouldn't be asked to step don even if Ruturaj returns.Well, guess we will know more about Dhoni and his call on Saturday at 3 pm IST. If you hear a massive roar after the toss happens and a calm man heads to talk to the commentator, then Chennai would have their Thala back one more time.Is it the last time? Well, we can't say "definitely not" as only Dhoni knows the answer.

Sara Ali Khan

Visits Chandramouleshwara Temple In Karnataka To Seek Blessings I Photos

Actress Sara Ali Khan never fails to put her spiritual side on display, often visiting temples and other religious places. Her recent stop was the Chandramouleshwara Temple in Unkal, Karnataka. She visited the holy place to offer prayers and seek blessings from Lord Shiva. Amid the sacred visit, Sara made sure to keep her fans updated with her whereabouts and posted a photo on her Instagram Stories. The collage of pictures showcased her posing on the temple stairs in a no-makeup look.Dressed aptly for her temple visit, Sara Ali Khan looked every bit pretty in her pink and white ethnic wear.

Sara Ali Khan's spiritual choices have always been a subject of debate, with many criticising her for visiting Hindu temples. Recently, she addressed the backlash during her appearance at the Times Now Summit 2025 saying that her

mother Amrita Singh taught her to see beyond religious and caste divisions.

Sara said, "I was very young, in school, and even when my parents were married and we used to immigrate together abroad, I used to always wonder… Amrita Singh, Saif Pataudi, Sara Sultana, Ibrahim Ali Khan, what is going on? Who are we? And I remember asking my mom, 'What am I?' And she told me, 'You are Indian.' And I will never forget that."Sara Ali Khan also opened up about her frequent trips to Kedarnath in the same interaction and stated, "I feel comfortable there, I feel peaceful there, I feel happy there."

On the work front, Sara is gearing up for the release of Anurag Basu's anthology, Metro… In Dino wherein she will be seen alongside Aditya Roy Kapur. The much-awaited drama also stars Anupam Kher, Neena Gupta, Pankaj Tripathi, Konkona Sen Sharma, Ali Fazal and Fatima Sana Shaikh in key roles.

Announcing the release date of the film, its makers earlier dropped a post on social media and wrote, "When love, fate and city life collide magic is bound to happen! Metro… In Dino brings the stories of heart from the cities that you love! Experience it on July 4th in cinemas near you".The film is presented by Gulshan Kumar and T-Series in association with Anurag Basu Productions Pvt Ltd.

'It's A Shame'

Rasha Thadani

Sonakshi Sinha SLAM Deforestation In Hyderabad's Kancha Gachibowli

Bollywood actresses Sonakshi Sinha and Rasha Thadani have strongly voiced their concerns over the deforestation at Kancha Gachibowli near the University of Hyderabad campus. Raveena Tandon's daughter Rasha questioned the destruction of biodiversity in the name of development. She added that it is a shame to see our country, which is blessed with forests and biodiversity, gasping for clean air. Meanwhile, Sonakshi Sinha also slammed the rapid clearing of 400-acre green cover. Meanwhile, as per the latest update, the Supreme Court has stayed the deforestation drive at the biodiversity-rich area, until further orders.

Sonakshi Sinha re-shared an Instagram post that read, "In Japan, trees are carefully relocated instead of being cut for construction." Expressing her disapproval over the tree felling in Kancha Gachibowli, she added, "And here we just cut down 400 acres of forest overnight. No biggie." Meanwhile, on Friday, Rasha Thadani shared a note on her Instagram stories, in which she highlighted the importance of forests. "Our India is blessed with biodiversity. Rich, dense forests, home to countless species of birds, animals and plants. Yet, we silently watch as they continue to disappear in the name of development. How much more suffering does our wildlife need to go through!!?" she wrote.She further added, "Unfortunately, Us humans are selfish, we only think for our own benefit. With that being said, our country struggles with pollution, we NEED these jungles for clean air, clean water and a healthier future. If not for nature itself, protect our wildlife for our survival!! Every tree cut, every jungle lost, brings us closer to crisis. Temperatures are soaring, water is disappearing. WE NEED OUR FORESTS. Cutting the forests down for development is a contradictory statement. What will we do with this "development" without a healthy and clean place, go live, breathe, survive!?"She then added that people from all over the world come to visit forests in India, that have some of the rarest species, and while tourists are completely amazed, we do not understand its value. "It's a shame to see our country so BLESSED with forests and biodiversity, and yet we're gasping for clean air," wrote Rasha.For the unversed, the Kancha Gachibowli area near the University of Hyderabad has been at the center of major controversy due to its deforestation activities. Tensions ran high at the University of Hyderabad as a scuffle erupted between students and police after authorities barricaded the east campus, where excavators.

Ameesha Patel's Savage Response To Salman Khan-Rashmika's Age Gap In Sikandar: 'Jab Jodi Chalti Hai…'

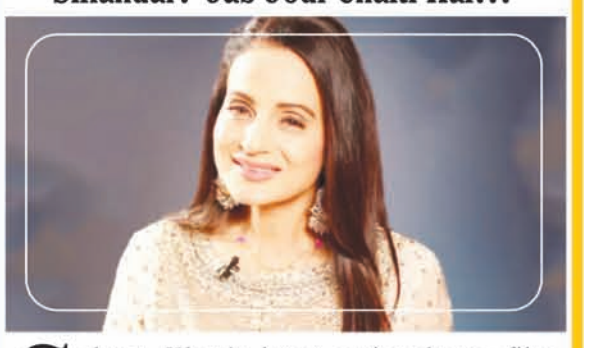

Salman Khan's latest action-drama film, Sikandar, has garnered immense buzz on social media since its trailer launch. Directed by A.R. Murugadoss, the film has received mixed reviews from critics and fans. Starring Rashmika Mandanna as the female lead, Sikandar has generated debate over the 31-year-old age difference between the lead pair. Recently, actress Ameesha Patel reacted to the criticism, defending the on-screen chemistry of Salman and Rashmika.Since the trailer launch of Sikandar, many celebrities have extended their support for Salman Khan and Rashmika Mandanna's on-screen chemistry. During a recent interaction with the paparazzi, Ameesha Patel also took a toll on social media criticism with her epic response to their age gap.

The Gadar actress was asked about Salman romancing a 31-year younger actress, Rashmika in Sikandar, to which she replied, "Mere aur Sunny (Deol) ji mein bhi to 20 saal ka gap tha, par jab jodi chalti hai to chalti hai, (Between me and Sunny ji, there was an age difference of 20 years, the chemistry anyways works), Salman is just muah (flying kiss gesture)"Ameesha further shared her experience watching Sikandar, saying, "Mujhe to bohut achi lagi, baaki kuch toh log kahenge logon ka kaam hai kehna. Logon ko film yunhi nahi pasand aarahi hai, film achi jaa rahi hai to bolne do jisko jo bolna hai (I liked it a lot, the rest people will anything. People are not liking the film for no reason, the film is going well, so let them say whatever they want to)."At the trailer launch event, Salman Khan was also asked about this controversy, to which he replied, "Heroine ke father ko problem nahi hain. Kal jab inki shaadi ho jayegi, bacche ho jaenge, aur tab bhi kaam karenge. Pati ka permission toh mil hi jayega na (The heroine's father has no problem. Tomorrow, when she gets married and has children, she will still continue working.

Aishwarya Rai Was Called Arrogant After Miss World Win, But Taal Actress Says 'She's A Very Good Girl'

Actress Jividha Sharma, who shared screen space with Aishwarya Rai Bachchan in Subhash Ghai's 1999 hit Taal, has revisited her experience working with the former Miss World during the early years of their respective careers. In a recent interview with Lallantop, Jividha candidly spoke about the assumptions she had before meeting Aishwarya, and how the actress completely shattered those preconceived notions through her humility, discipline, and work ethic.In 1999, Taal wasn't just a milestone in Aishwarya Rai's career—it was also the first major project for Jividha Sharma, who was making her Bollywood debut. At the time, Aishwarya was just beginning to build her career in films, following her Miss World win in 1994 and her debut roles in Iruvar and Aur Pyaar Hogaya in 1997. By the time she stepped into Taal, she had already begun to attract widespread attention, with expectations running high. With fame, however, came rumors—especially about her supposed attitude.

"People had said she has an attitude because of the Miss World title and all that," Jividha recalled. "So even I went in with that impression. But when I actually met her and spent time with her on set, I realized she was nothing like that. She's very simple, very grounded—a genuinely good person."

The actress was quick to highlight Aishwarya's professionalism on set. "She was extremely hardworking. We had several scenes together, and I observed that she was totally focused. She didn't take her role lightly, even though she already had that big title attached to her name. She would keep rehearsing her scenes, especially dance steps, until she got them perfect."A trained classical dancer, Aishwarya's commitment to nailing her performances wasn't lost on her co-star. "Despite being trained in Kathak and having all those credentials, she didn't take anything for granted. She never acted like she knew it all. If a step didn't look right, she would do it again and again. She wouldn't give up until it was flawless. That really inspired me. I genuinely liked her and even wanted to be like her at that point."

Jividha also offered a glimpse into their dynamic off-camera, revealing that both actresses would often be accompanied by their mothers during shoots. "We mostly talked about our scenes, but sometimes she would ask about my mom. She used to bring her mother along as well. There was a comfort in that, like we were both protected and supported."Though much of their joint screen time was later edited out from the final cut of Taal due to the film's runtime, the time spent together made a lasting impression on Jividha. "We had a lot of scenes together, but many of them were chopped. Still, the experience of working with her was memorable for me," she said.